केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450] 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 59 शनिवार 21 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

किशोरी की हत्या मामले में मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। किशोरी की हत्या के आरोप में परसरामपुर पुलिस ने उसके मामा समेत ननिहाल पक्ष के अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। थाना प्रभारी तहसीलदार सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है। साक्ष्य संकलन के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

परसरामपुर थानाक्षेत्र के रहने वाले एक व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया है कि उसने करीब 18 वर्ष पूर्व दूसरे सम्प्रदाय की महिला से प्रेम विवाह किया था। करीब तीन वर्ष पूर्व पत्नी से कुछ अनबन हो गई थी। इसके बाद वह इसी थानाक्षेत्र में स्थित अपने मायके में जाकर रहने लगी थी। हमारी 13 वर्षीय बेटी भी उसके साथ ही रहती थी। उनका आरोप है कि पत्नी का भाई मुस्तफा उनकी बेटी पर गलत नजर रखता था। एक दिन पत्नी का फोन आया कि बेटी की तबीयत खराब हो गई है। यह सूचना मिलते ही वह अपनी ससुराल पहुंच गया तो देखा कि बेटी की मौत हो चुकी है।

आरोप है कि उनकी बेटी की मौत नहीं हुई, बल्कि उसकी हत्या मुस्तफा व अन्य ससुरालियों ने मिलकर कर दी है। कोर्ट के आदेश पर परसरामपुर पुलिस ने आईपीसी की धारा 302 के तहत मुस्तफा व अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

नेशनल हाइवे पर जोखिम भरा है सफर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेशनल हाईवे के सर्विस लेन ही नहीं फोरलेन पर भी चलना जोखिम भरा हो गया है। बारिश के बाद जगह–जगह बने गड्ढे वैसे तो जैसे–तैसे भर दिए गए हैं, लेकिन पैचिंग की गुणवत्ता खराब होने से वाहन हिचकोले खा रहे हैं। कई वाहन उछल जा रहे, ऐसे में हादसा होने का डर हमेशा चालकों के मन में बना रहता है। लाखों खर्च होने के बाद भी हाईवे की दशा नहीं सुधारी, मजबूर राहगीर वाहन को अपने कंट्रोल में रखकर सफर कर रहे हैं। सबसे बुरा हाल सर्विसलेन कर है। जहां गड्ढे बनने के बाद उसे जिम्मेदार दुरुस्त नहीं करते हैं। वाहनों के लगातार दबाव के कारण छोटे गड्ढे धीरे–धीरे बढ़कर बड़ा आकार ले लेते हैं, जहां वाहन अक्सर फंस जा रहे हैं। चालक की जरा सी चूक हादसे को दावत दे रहे हैं। बड़ेवन ओवरब्रिज के नीचे बड़े–बड़े गड्ढे अक्सर हादसे के कारण बन रहे हैं। बावजूद इसके एनएचआई के जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। बारिश होने पर गड्ढे तालाब बन जाते हैं। ऐसे में वाहन चालक अंदाजा नहीं लगा पाते कि गड्ढा कहां है, और उसमें जाकर फंसकर दुर्घटनाग्रस्त हो जा रहे हैं। वहां से आगे बढ़ने पर मूड़घाट अंडरपास के दोनों तरफ सर्विसलेन पर जानलेवा गड्ढे बने हुए हैं।

सर्विस लेन संकरी होने के बाद उस पर फैले अतिक्रमण और परेशानी बढ़ा रही है। गड्ढे इतने हैं कि राहगीर उसमें हिचकोले खाते हुए आगे बढ़ता है। मूड़घाट चौराहे पर ही गड्ढे भरमार हैं, फिर भी उसे भर नहीं रहे हैं। बताते हैं कि सर्विस लेन को दुरुस्त करने के लिए हर साल लाखों का बजट खपा देते हैं, बावजूद इसके स्थिति नहीं सुधर रही है। इसको लेकर राहगीर एनएचआई के व्यवस्था पर सवाल कर रहे हैं।

हाईवे पर तय मानक के अनुसार वाहनों को स्पीड नहीं मिल पा रही है। कारण, हाईवे पर अदृश्य गड्ढे अक्सर वाहनों को अपने गिरफ्त में ले ले रहे हैं। इससे चालक बचाकर सफर कर रहे हैं। बारिश के बाद बस्ती से अयोध्या तक हाईवे और खतरनाक रूप ले लेता है। बताते हैं कि बस्ती–अयोध्या के बीच दो टोल बूथ है, यहां टोल पर टोल वसूले जा रहे, फिर भी व्यवस्था फेल है।

क्यों नहीं हुई जजों की नियुक्ति? सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र से यह जानकारी देने को कहा कि उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए शीर्ष अदालत के कॉलेजियम ने किन नामों की दोबारा सिफारिश की और उनकी संख्या कितनी है। न्यायालय ने केंद्र से इस बात का कारण भी बताने को कहा है कि इन नामों पर अब तक विचार क्यों नहीं किया गया और यह स्वीकृति किस स्तर पर लंबित है।

यह निर्देश प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया। याचिका में यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित न्यायाधीशों की नियुक्ति को अधिसूचित करने के लिए केंद्र के लिए एक समय सीमा तय की जाए।

पीठ ने कहा, ''उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम (न्यायाधीशों के लिए) कोई खोजबीन समिति नहीं है जिसकी सिफारिशों को रोका जा सके।'' पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से कहा कि वह उसे कॉलेजियम द्वारा दोबारा अनुशंसित किए गए नामों की एक सूची मुहैया कराएं और बताएं कि इन पर स्वीकृति ''क्यों और किस स्तर पर लंबित'' है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''कृपया, आप दोबारा अनुशंसित नामों की एक सूची बनाएं और बताएं कि ये क्यों और किस स्तर पर लंबित हैं...।'' पीठ ने कहा कि कुछ नियुक्तियां अभी होनी हैं और ''हमें उम्मीद है कि ये बहुत जल्द की जाएंगी।'' इसके बाद अटॉर्नी जनरल के अनुरोध पर जनहित याचिका की सुनवाई स्थगित कर दी गई।

यह जनहित याचिका वकील हर्ष विभोरे सिंघल ने दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि एक निश्चित अवधि तय नहीं होने पर ''सरकार नियुक्तियों को अधिसूचित करने में मनमाने ढंग से देरी करती है, जिससे न्यायिक स्वतंत्रता का हनन होता है, संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था खतरे में पड़ती है और अदालत की समझ एवं गरिमा का अनादर किया जाता है। वकील प्रशांत भूषण ने वरिष्ठ वकील सौरभ किरपाल के नाम का उल्लेख किया, जिन्हें शीर्ष अदालत कॉलेजियम द्वारा दोबारा अनुशंसित किए जाने के बावजूद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त नहीं किया गया है।

वैदिक संस्कारों को जनप्रिय बनाना आर्य समाज का उद्देश्य – ओम प्रकाश आर्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आर्य समाज नई बाजार बस्ती के 51वें वार्षिकोत्सव के महत्व को समझाने और समाज को वैदिक संस्कारों को जनप्रिय बनाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित है। यह जानकारी देते ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि वेद प्रचार मण्डल बस्ती द्वारा शिव मंदिर तिवारी टोला बस्ती में आचार्य सुरेश जोशी अल्मोड़ा के ब्रह्मत्व में वैदिक यज्ञ संपन्न कराया गया जिसमें अनीता – अजीत पाण्डेय योग शिक्षक भारत स्वाभिमान ट्रस्ट यूनिट बस्ती मुख्य यजमान रहे। यज्ञ कराते हुए आचार्य सुरेश जोशी ने बताया कि संस्कार व्यक्ति की सबसे बड़ी पूंजी है और यह माता पिता, आचार्य और विद्वानों की सेवा और सानिध्य से प्राप्त होती है। इसको धन ऐश्वर्य से नहीं प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को अपने जीवन को सफल बनाने के लिए यज्ञ हवन करने की प्रेरणा दी। भजनोपदेशक सत्येन्द्र वर्मा ने लोगों को दैनिक यज्ञ का लाभ और उपयोगिता के बारे में बताते हुए ईश्वर की महानता के बारे में बताया। पण्डिता रुक्मिणी देवीने बताया कि यज्ञ करने से हमारे पास पुण्य एकत्र होते हैं क्योंकि हम ईश्वर की व्यवस्था में सहयोग कर रहे होते हैं। घर में संस्कारों को बनाने के लिए उन्होंने महिलाओं को प्रेरित करते हुए परिवार में संस्कारयुक्त वातावरण बनाने का सुझाव दिया। आचार्य सुरेश जी ने भगवान शंकर के वास्तविक स्वरूप समझाते हुए उन्ही से साधना, योग, ध्यान और पराक्रम सीखने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर राधेश्याम आर्य, बुद्धदेव आर्य, उपेन्द्र आर्य, नीलम मिश्र, महिमा आर्य, सोनी पाण्डेय, दिव्यांशु जायसवाल, प्रभावती तिवारी, उर्मिला तिवारी, पवित्री, गायत्री, नीलम मिश्रा, सुमित, सिमरन गुप्ता, अशीष बरनवाल, प्रज्ञा पाण्डेय, रामरती, सत्येंद्र आर्य, राधेश्याम और कन्हैया लाल तिवारी सहित अनेक लोग सम्मिलित रहे।

जालसाजी में 4 पर मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज का प्रयोग करने के आरोप में चार लोगों पर केस दर्ज किया है। सिकंदरपुर निवासी रामकुमार का आरोप है कि विपक्षियों ने आपस में मिलकर जमीन हड़पने के लिए धोखा व जालसाजी कर कूटरचित दस्तावेज का प्रयोग कर गिरवी का कागज तैयार कराया। गिरवी का कागज मांगने पर अपशब्द कहते हुए जानमाल की धमकी देने लगे। पुलिस ने गांव के अरविन्द, किरन वर्मा, जगन्नाथ व नेवादा निवासी विनय श्रीवास्तव के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला पोषण समिति की बैठक में योजनाओं की समीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुआ। बैठक में उन्होने पाया कि वर्तमान में 1897 सैम बच्चे चिन्हित किये गये है, जिसमें 1847 बच्चे सामुदायिक प्रबंधन के पाये गये है, जिसमें 1224 बच्चों को दवा उपलब्ध करायी गयी है। इसके अतिरिक्त 50 बच्चें संदर्भन हेतु चिन्हित हुए है, जिसके सापेक्ष 11 बच्चों का संदर्भन हुआ है। उन्होने कहा कि ई–कवच पोर्टल पर सैम बच्चों की समय से फीडिंग करायी जाय।

वजन मशीन, स्टेडियों मीटर, इन्फेन्टो मीटर के संबंध में उन्होने निर्देशित किया कि आपूर्तिकर्ता फर्म से संबंधित अधिकारीगण सम्पर्क कर मशीनों को सही कराने एवं बदलने की कार्यवाही करें। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि पोषण ट्रैकर एप पर माह अगस्त में मेजरिंग 99.42 प्रतिशत एवं होम विजिट 97.75 प्रतिशत आनलाइन फीडिंग आगनबाड़ी केन्द्रों पर की गयी है।

बैठक में पोषण प्रबन्धन, संभव अभियान, पोषण पुनर्वास केन्द्र, बाल विकास परियोजना कार्यालय भवन निर्माण, आगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण, आगनबाड़ी कायाकल्प, अन्नपूरक आहार, हॉट कुक मिल योजना, पोषण ट्रैकर, आधार/मोबाइल सत्यापन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। बैठक में सीडीओ जयदेय सी.एस., मुख्य चिकित्साधिकारी आर.एस. दुबे, डीडीओ अजय कुमार, पीडी राजेश कुमार, बेसिक शिक्षाधिकारी अनूप तिवारी, समस्त बीडीओ व सीडीपीओ तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से: स्वच्छता अभियान चलाने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 से 31 अक्टूबर तथा दस्तक अभियान 11 से 31 अक्टूबर 2024 तक संचालित किया जाएगा। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने इसके संबंध में विभागीय अधिकारियों को पूरी तैयारी करने का निर्देश दिया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित तैयारी बैठक में उन्होंने कहा कि अभियान में नामित सभी विभाग आपसी समन्वय से चरणवार पूरी कार्यवाही सम्पन्न करायें।

उन्होने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग इस अभियान का नोडल विभाग होंगा, जो जनपद, तहसील, ब्लाक एवं ग्राम स्तर पर विभागीय अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करके अभियान संचालित करेंगा। अभियान के दौरान बुखार, इन्फ्लुएन्जा लाइक इलनेश (आईएलआई), क्षय रोग तथा कुपोषित बच्चों के प्राप्त सूची के अनुसार रोगियों का उपचार किया जायेंगा। विभाग द्वारा अभियान की मानीटरिंग, पर्यवेक्षण, रिपोर्टिंग, अभिलेखीकरण तथा विश्लेषण किया जायेंगा।

जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत एवं नगर पालिका को निर्देशित किया है कि साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दें, अभियान के दौरान नालियों की सफाई एवं फागिंग, झाड़ियों की सफाई कराना सुनिश्चित करें। नियमित रूप से कूड़ों का निस्तारण कराएं तथा पेयजल की जांच कराते रहें, समय–समय पर इसका क्लोरोनाइजेशन भी कराएं।

उन्होने कहा कि पंचायती राज विभाग द्वारा ग्राम स्तर पर साफ–सफाई, हाथ धोना, शौचालय की सफाई तथा जल निकासी की व्यवस्था करायी जाय। ग्राम स्तर पर ग्राम प्रधान अभियान के नामित नोडल आगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा के कार्यो में सहयोग प्रदान करेंगे। वी0एच0एस0एन0सी0 के माध्यम से संचारी रोगो तथा दिमागी बुखार के रोकथाम के लिए सघन प्रचार–प्रसार कराया जायेंगा। उथले हैण्डपम्प को लाल रंग से चिन्हित किया जायेंगा, खराब इण्डिया मार्क टू हैण्डपम्प ठीक कराया जायेंगा, जलाशय एवं नालियों की सफाई करायी जायेंगी, झाड़ियों की काट–छाट किया जायेंगा तथा मैलाथियान से फॉगिग करायी जायेंगी। गॉव में भी कूडेदान की व्यवस्था की जायेंगी।

उन्होने कहा कि पशुपालन विभाग सूकर पालको को अन्य व्यवसाय जैसे पोल्ट्री उद्योग को अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। सूअरबाड़ो पर वेक्टर नियत्रंण एवं सीरो सर्विलेन्स की व्यवस्था करायेंगें। सूअरबाड़े आबादी से दूर स्थापित किए जायेंगे। सूअरबाडो की नियमित सफाई करायी जायेंगी तथा कीटनाशक का छिड़काव किया जायेंगा। सभी प्रकार के पशुबाड़ो की स्वच्छता, कचरा निस्तारण तथा मच्छररोधी जाली के प्रयोग के लिए पशुपालको को प्रेरित किया जायेंगा।

उन्होने कहा कि एईएस/जेई रोग से दिव्यांग हुए बच्चों का सर्वे कराया जायेंगा। डीडीआरसी सेण्टर द्वारा उनका उपचार किया जायेंगा तथा सहायक उपकरण विभाग द्वारा उपलब्ध कराये जायेंगे। कृषि एवं सिचाई विभाग एकत्र हुए पानी में मच्छरों के प्रजनन को रोकने तथा सिचाई के वैकल्पिक उपाय पर अपनी तकनीकी सलाह देंगा। उद्यान विभाग मच्छररोधी पौधे लगायेगा। नहरो तथा तालाबों के किनारे अवान्छित वनस्पतियों को साफ करायेगा।

बैठक का संचालन मलेरिया अधिकारी आई.ए.अंसारी ने किया। बैठक में सीडीओ जयदेव सी.एस., सीएमओ डॉ. आर.एस. दुबे, पीडी राजेश कुमार, डीडीओ अजय कुमार, डीपीआरओ रतन कुमार, बीएसए अनूप तिवारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. राजेश त्रिपाठी, यूनिसेफ की नीलम यादव, सभी बीडीओ, प्रभारी चिकित्सा अधिकारीगण एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

राहुल गांधी ने युवक से किया वादा निभाया

करनाल (आभा)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ओर कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी शुक्रवार सुबह हरियाणा के करनाल जिले के घरौंडा विधानसभा क्षेत्र में आने वाले गांव घोघड़ीपुर में बीर सिंह के घर पहुंचे। उनके गांव आने की सूचना से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। राहुल गांधी करीब 1 घंटा 20 मिनट तक बीर सिंह के घर रूके ओर बाद में सीधे दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

राहुल गांधी गत दिनों अमेरिका दौरे के दौरान घोघड़ीपुर के रहने वाले अमित कुमार से मिले थे, युवक का अमेरिका में एक्सीडेंट हो गया था, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। राहुल गांधी ने अमित से वादा किया था वह भारत लौटने पर उसके गांव घोघड़ीपुर जाएंगे। उसी वादे को निभाने के लिए राहुल गांधी अचानक अल सुबह करीब 5 बजे घोघड़ीपुर पहुंचे।

उनके आने की सूचना को गोपनीय रखा गया था। चुंनिदा अधिकारियों को राहुल के घोघड़ीपुर में आने की सूचना शेयर की गई थी। गांव पहुंचने पर राहुल गांधी ने वीडियो कॉल के जरिए अमित से बात की। इस दौरान राहुल गांधी ने अमित के भाई अजित सिंह और माता बीरमति से बातचीत की और हाल चाल जाना। परिजनों ने राहुल गांधी को बताया कि अमित को जमीन बेचकर अमेरिका भेजा था, वहां पर उसका एक्सीडेंट हो गया, जिससे पूरा परिवार काफी दुखी ओर परेशान हो गया था। अब अमित की हालात ठीक बताई जा रही हैं।

जब राहुल गांधी के आने की सूचना गांव में लगी तो काफी संख्या में ग्रामीण बीर सिंह के घर की ओर दौड़ पड़े। अमित के पिता राहुल गांधी को अचानक दरवाजे पर देखकर आश्चर्यचकित हो गए। उन्हें समझ ही नहीं आया कि स्वयं उनके घर राहुल गांधी आए हैं। वे काफी खुश भी नजर आए, जो अमेरिका में उनके बेटे से मिले हैं, उन्हें काफी अच्छा लगा। दिल्ली जाते समय राहुल गांधी को परिजनों ने देसी घी ओर चूरमा भी दिया, जिसे वे साथ ले गए। जब राहुल गांधी दिल्ली की ओर निकल गए तब जाकर पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली।

वहीं राहुल गांधी के गांव में आने पर ग्रामीण काफी खुश नजर आए ओर कहा कि नेता प्रतिपक्ष उनके गांव में आए, ये उनके गांव के लिए गर्व की बात हैं। मौके पर कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र राठौर, ग्राम सरपंच प्रतिनिधि अशोक शर्मा, जगदीप सिंह, सतबीर मान, सिंद्र मान सहित अन्य मौजूद रहे।

कोतवाल समेत 7 थानेदारों के कार्य क्षेत्र बदले गये

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी ने शहर कोतवाल समेत प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। कोतवाल विजय कुमार को ट्रांसफर कर प्रभारी निरीक्षक छावनी बनाया गया है। प्रभारी निरीक्षक हर्रैया राणा देवेन्द्र प्रताप सिंह को शहर कोतवाल की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस लाइन से धर्मेन्द्र यादव को प्रभारी निरीक्षक पैकोलिया बनाया गया है। निरीक्षक संध्यारानी तिवारी को प्रभारी एंटी रोमियो सेल से प्रभारी निरीक्षक दुबौलिया, प्रभारी निरीक्षक दुबौलिया मोतीचंद को प्रभारी निरीक्षक वाल्टरगंज, प्रभारी निरीक्षक वाल्टरगंज दिनेश चंद्र को प्रभारी निरीक्षक परशुरामपुर, प्रभारी निरीक्षक परशुरामपुर तहसीलदार सिंह को प्रभारी निरीक्षक हर्रैया बनाया गया है। प्रभारी निरीक्षक छावनी अनिल कुमार दूबे को पुलिस लाइन व थानाध्यक्ष पैकोलिया संजू यादव को प्रभारी एंटी रोमियो की जिम्मेदारी दी गई है।

सुप्रीमकोर्ट पहुंचा प्रसाद में चर्बी का मामला

नई दिल्ली (आभा)। प्रसिद्ध तिरुपति के लड्डू बनाने में कथित तौर पर जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल किए जाने का मामला अब सुप्रीमकोर्ट पहुंच गया है। याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि यह मामला मौलिक हिंदू धार्मिक रीति रिवाजों का उल्लंघन करता है और ऐसे करोड़ों भक्तों की आस्था को चोट पहुंचाता है जो प्रसाद को प्रसाद की तरफ पवित्र मानते हैं।

आपदा प्रबंधन के लिये मॉक एक्सरसाइज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भूकंप और अग्नि सुरक्षा पर जिला स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का आयोजन इन्सिडेन्ट कमाण्डर, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रतिपाल चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर में संपन्न हुआ। उन्होने आपदा विशेषज्ञ रंजीत रंजन को निर्देश दिया कि मॉक एक्सरसाइज का संचालन नियमित रूप से किया जाए, ताकि जनता को किसी भी आपदा के समय बचाव के तरीकों के प्रति जागरूक किया जा सके। इसके साथ ही शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई साहित्यिक सामग्री का वितरण भी किया गया।

उन्होने कहा कि प्रशिक्षण व विभिन्न आपदा प्रबंधन कार्यक्रमों में भाग लें और प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण लें, अपने समुदाय में आपदा प्रबंधन के बारे में जानकारी फैलाएं और जागरूकता बढ़ाएं, आपातकाल के लिए भोजन, पानी व प्राथमिक चिकित्सा सामग्री का भंडारण करें। इन तरीकों को अपनाकर, आप न केवल अपनी बल्कि दूसरों की सुरक्षा में भी मदद कर सकते हैं।

उन्होने कहा कि भूकंप के समय खुद को मजबूत दीवारों, दरवाजों के पास या टेबल के नीचे छुपाएं, जब तक जरूरी न हो, फोन का उपयोग सीमित रखें ताकि आपातकालीन सेवाएं कार्य कर सकें तथा भूकंप के दौरान घर के अंदर रहना अधिक सुरक्षित होता है; बाहर जाने से गिरती चीजें चोट पहुंचा सकती हैं। उन्होने बताया कि घर में अग्निशामक उपकरण और धूम्रपान अलार्म लगवाएं और उनका नियमित परीक्षण करें तथा अपने परिवार के साथ मिलकर एक निकासी योजना बनाएं और उसे नियमित रूप से अभ्यास करें। यदि आग लगे तो तुरंत 101 पर कॉल करें और सुरक्षित स्थान पर जाएं।

मॉक एक्सरसाइज के दौरान आपदा विशेषज्ञ, पुलिस, अग्नि शमन, चिकित्सा विभाग एवं अन्य विभागों ने भूकंप और अग्नि आपदा के समय बचाव के तरीकों और आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी जनमानस को प्रदान की। इस दौरान पांच मराठा लाइट इन्फेन्ट्री, अयोध्या कैन्ट के नायब सूबेदार, केलास वावधाने और उनकी टीम तथा इन्सिडेन्ट रिस्पांस टीम के सभी विभागों और उनके प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

पुण्यतिथि पर याद किये गये साहित्यकार सत्येन्द्रनाथ मतवाला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वरिष्ठ साहित्यकार सत्येन्द्रनाथ मतवाला को उनके प्रथम पुण्य तिथि पर याद किया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मतवाला जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान पर चर्चा किया। वरिष्ठ चिकित्सक एवं साहित्कार डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि बस्ती जनपद का इतिहास, बस्ती जनपद का गौरव और बस्ती मण्डल का इतिहास के लेखक वरिष्ठ साहित्यकार सत्येन्द्रनाथ मतवाला सेवानिवृत्ति के बाद निरन्तर साहित्य साधना में रत रहे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि मतवाला जी बैंक से सेवानिवृत्ति के बाद निरन्तर साहित्य साधना में लगे रहे। उन्होंने बस्ती मण्डल के इतिहास, भूगोल को सहेजने का जो कार्य किया है वह सदैव याद किया जायेगा। श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि इतिहास लेखन दुरूह कार्य है जिस पर मतवाला जी खरे उतरे। अब नई पीढी उनकी पुस्तकों से बस्ती के इतिहास, भूगोल को समझ पायेगी।

मुख्य रूप से सतीश आर्य, डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, बटुकनाथ शुक्ल, पं. चन्द्रबली मिश्र, डा. राजेन्द्र सिंह 'राही', दीपक सिंह 'प्रेमी', डा. आदित्यराज, अजीत श्रीवास्तव 'राज', अफजल हुसेन अफजल, अर्चना श्रीवास्तव, पेशकार मिश्र, शाद अहमद 'शाद' आकाश श्रीवास्तव, सरोज, नम्रता श्रीवास्तव, दीनानाथ यादव, नेबूलाल, कृष्ण चन्द्र पाण्डेय, सामईन फारूकी के साथ ही अनेक लोग और उनके परिजनों ने सत्येन्द्रनाथ मतवाला के योगदान पर प्रकाश डाला।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 सितम्बर 2024 शनिवार

सम्पादकीय

बच्चों महिलाओं पर बढ़ते अपराध

हाल ही के दिनों में बच्चों व महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर देशव्यापी चिंता कई मंचों से उजागर हुई है। इन अपराधों के प्रति पुलिस व एजेंसियों की संवेदनहीनता पर अदालतें गाहे–बगाहे सख्त टिप्पणियां कर चुकी हैं। कुछ समय पहले जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भी महिलाओं व बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर गंभीर चिंता जतायी थी। साथ ही त्वरित न्याय से समाधान की बात कही थी। देश के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के वे आंकड़े विचलित करते हैं, जिसमें कहा गया था कि साल 2022 में भारत में हर घंटे में औसतन 18 बच्चे अपराधों के शिकार बने। वहीं पिछले एक दशक में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 75 फीसदी वृद्धि की बात एनसीआरबी ने स्वीकारी है। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की गंभीरता को इस बात से समझा जा सकता है कि वर्ष 2023 में बीते वर्ष की तुलना में जहां अपराधों में कमी दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों में नौ फीसदी की वृद्धि एनसीआरबी के आंकड़ों में दर्ज की गई। यह हमारे नीति–नियंताओं के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि देश में बच्चों के खिलाफ अपराधों में क्यों लगातार वृद्धि हो रही है। विडंबना यह है कि एनसीआरबी केवल उन्हीं अपराध के आंकड़ों का उल्लेख करता है, जो थानों में दर्ज होते हैं। दरअसल, बच्चों के खिलाफ बड़ी संख्या में होने वाले अपराध अक्सर दर्ज ही नहीं होते। कानूनी जानकारी न होने और थानों व कचहरियों के चक्कर काटने से बचने के लिये अभिभावक कई मामलों में रिपोर्ट दर्ज ही नहीं करवाते। कुछ मामलों को पुलिस दर्ज करने से बचती है। ऐसे में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना सहज नहीं होगा। बहरहाल, ये बढ़ते अपराध हमारे समाज में गहरी होती संवेदनहीनता और समाज में नैतिक मूल्यों के पराभव की ओर भी इशारा करती है।

दरअसल, बच्चों के खिलाफ अपराध केवल हमारे सामाजिक व्यवस्था में ही नहीं बढ़े, बल्कि इसका दायरा वर्चुअल दुनिया में भी तेजी से बढ़ा है। बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2022 में बच्चों के विरुद्ध पहले साल के मुकाबले बत्तीस फीसदी अधिक साइबर अपराध दर्ज हुए। जो निरंतर गंभीर होती स्थिति को दर्शाते हैं। हाल के दिनों में स्कूल–कालेजों में ऑनलाइन पढ़ाई का दायरा बढ़ने और मोबाइल की सहज उपलब्धता से बच्चों की इस क्षेत्र में सक्रियता बढ़ी है। सस्ते इंटरनेट व मोबाइल फोन ने बच्चों के लिये सोशल मीडिया व गेमिंग की दुनिया में पहुंच आसान बनायी है। लेकिन बच्चे इंटरनेट की आपराधिक दुनिया से अनभिज्ञ हैं। उन्हें इन खतरों से बचाव का प्रशिक्षण न तो स्कूल में दिया जाता है और न ही पुरानी पीढ़ी के अभिभावक दे पाए। जिसके चलते ही वे साइबर अपराधियों का आसान शिकार बनते हैं। दरअसल, कोरोना महामारी तो चली गई, लेकिन इस संकट के चलते उपजी परिस्थितियों ने बच्चों के ऑनलाइन रहने का टाइम बढ़ा दिया है। अभिभावक यदि बच्चों को अधिक मोबाइल के इस्तेमाल पर टोकते हैं तो वे स्कूल के काम का तर्क देकर गेमिंग व सोशल मीडिया की गतिविधियों में लिप्त रहते हैं। यह समय का बड़ा संकट है कि बच्चे न तो अभिभावकों से संस्कार पा रहे हैं और न ही शिक्षकों से। उन्हें मोबाइल पर संस्कार वे अनाम व अज्ञात कंपनियां दे रही हैं, जिनके लिये बच्चे महज उपभोक्ता और पैसा कमाने का जरिया हैं। आज इंटरनेट के खुले और छिपे स्वरूप पर अपराधों की एक ऐसी समांतर दुनिया संचालित है, जिन्हें दुनिया की ताकतवर सरकारें भी नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं। दरअसल, अधिकांश बच्चे इस चुनौती के मुकाबले के लिये डिजिटली साक्षर नहीं हो पाए हैं। इसके लिये साइबर कानून को अधिक सशक्त व प्रभावी बनाने की जरूरत है। ताकि बच्चों के खिलाफ अपराध, धोखाधड़ी व साइबर बुलिंग करने वाले अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सके। निश्चित रूप से आज देश के सत्ताधीशों को साइबर अपराधों से बच्चों व महिलाओं को सुरक्षित बनाने के लिये कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा।

चुनावी घोषणा पत्र, वायदों पर कितना भरोसा

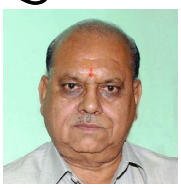

—अजय कुमार—

भारतीय राजनीति में मुफ्त योजनाओं का चलन पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है, और यह एक ऐसी रणनीति बन गई है जिसे राजनीतिक दल अपने चुनावी अभियानों में बड़ी चतुराई से इस्तेमाल कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मुफ्त पानी और बिजली देने का मॉडल हो या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुफ्त राशन देने का कार्यक्रम, ये सभी नीतियां राजनीतिक सफलता की कुंजी बन चुकी हैं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी से लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन तक, सभी ने इन योजनाओं का उपयोग करके अपनी सत्ता को मजबूत किया है। अब हरियाणा में कांग्रेस ने इसी परंपरा को अपनाते हुए अपने चुनावी अभियान में एक नया मोड़ लिया है, जिससे वह पिछले दस वर्षों से सत्ता से बाहर रहने की स्थिति को बदलने का प्रयास कर रही है।

कांग्रेस ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में कई आकर्षक वादे पेश किए हैं। इनमें से प्रमुख वादा 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का है, जो सीधे अरविंद केजरीवाल के मॉडल से प्रेरित है। यह एक स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस ने समझ लिया है कि लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने वाली योजनाएं ही उनकी राजनीतिक जीत की कुंजी हो सकती हैं। कांग्रेस के नेता इस बार अपने वादों में आत्मविश्वास से भरे नजर आ रहे हैं, और उन्होंने इन योजनाओं को लुभावना बनाने की हर संभव कोशिश की है।

महिलाओं के प्रति कांग्रेस का यह नया दृष्टिकोण भी ध्यान देने योग्य है। पार्टी ने 18 वर्ष से ऊपर की प्रत्येक महिला को प्रतिमाह 2000 रुपये देने का वादा किया है। यह योजना मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना से प्रेरित है, जिसने उस राज्य में चुनावी परिणामों को पलटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कांग्रेस का यह वादा महिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता देकर उन्हें अपने पक्ष में करने की एक रणनीति है। इसके अतिरिक्त, बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं को भी छह हजार रुपये की पेंशन देने का प्रस्ताव रखा गया है, जो कि एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है।

किसानों को आकर्षित करने के लिए कांग्रेस ने एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को कानूनी गारंटी देने का वादा किया है। यह घोषणा किसानों के हित में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, और इससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस ने ग्रामीण समुदाय की चिंताओं को समझा है। भारतीय राजनीति में किसानों का एक अहम स्थान है, और उनकी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करना हमेशा से राजनीतिक दलों के लिए फायदेमंद रहा है। इसके अलावा, कांग्रेस ने किसानों को तुरंत मुआवजे का आश्वासन देकर उनकी समस्याओं को तेजी से हल करने का भी वादा किया है।

कांग्रेस ने तेलंगाना के मॉडल को भी अपनाने की कोशिश की है, जिसमें गैस सिलेंडर के लिए मात्र 500 रुपये देने का प्रस्ताव है। यह योजना गरीब परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, और इसके तहत 100 गज के मुफ्त प्लॉट और पक्के मकान देने का भी वादा किया गया है। यह आवास की समस्या को हल करने में मदद करेगा और नागरिकों को एक स्थायी घर प्रदान करेगा। कांग्रेस ने राजस्थान की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना को भी अपने घोषणा पत्र में शामिल किया है। इसके तहत गरीबों के लिए 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता पर हाल के वर्षों में सवाल उठते रहे हैं, और यह योजना कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण दांव साबित हो सकती है। हालांकि राजस्थान में यह योजना अपेक्षित सफलता नहीं प्राप्त कर पाई थी, लेकिन हरियाणा में इसकी लोकप्रियता को लेकर सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं।

कांग्रेस ने ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने का भी भरोसा दिया है, जो सरकारी कर्मचारियों की एक बड़ी मांग है। इस योजना से न केवल कर्मचारियों को, बल्कि उनके परिवारों को भी फायदा होगा, और इससे कांग्रेस का समर्थन बढ़ सकता है। चुनावी प्रचार में कांग्रेस ने अपनी योजनाओं को प्रभावशाली तरीके से पेश किया है, जो दर्शाता है कि वह अपने मतदाताओं को खुश करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। हालांकि, कांग्रेस के इन दावों की सफलता केवल चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुफ्त योजनाएं हमेशा कारगर नहीं होतीं। कई बार मतदाता इन योजनाओं के साथ–साथ अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को भी ध्यान में रखते हैं। भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और कानून–व्यवस्था की स्थिति जैसे मुद्दे भी मतदाताओं के फैसले को प्रभावित करते हैं। इस प्रकार, हरियाणा में कांग्रेस ने चुनावी मैदान में उतरते हुए एक महत्वपूर्ण रणनीति अपनाई है। अब देखना यह है कि क्या ये मुफ्त योजनाएं वास्तव में उन्हें सत्ता में वापस लाने में मदद कर पाएंगी या नहीं। भाजपा और अन्य दलों की प्रतिक्रियाएं भी इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अंततः, हरियाणा का चुनाव यह साबित करने के लिए एक बड़ा मंच होगा कि मुफ्त योजनाएं कितनी प्रभावी हैं और क्या वे एक राजनीतिक दल की किस्मत को बदलने में सक्षम हैं।

कांग्रेस की यह कोशिश एक संकेत है कि चुनावी राजनीति में सामाजिक कल्याण की योजनाएं अब एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, और यह देखा जाना बाकी है कि क्या ये योजनाएं हरियाणा में कांग्रेस के लिए राजनीतिक सफलता की चाबी बन पाएंगी।

किसानों को मिले उनका हक

—अशोक गुलाटी—

2024 में संसदीय चुनाव होने से पहले ही, नरेंद्र मोदी सरकार ने सभी सचिवों को सरकार के अंतिम 100 दिनों में घोषित किए जाने वाले नीतिगत एजेंडे को तैयार करने के लिए नियुक्त किया था। उन्हें पूरा भरोसा था कि 5 साल में पार्टी भारी बहुमत के साथ वापस आ रही है। संसदीय चुनावों के वास्तविक परिणाम पार्टी के लिए निराशाजनक थे, क्योंकि यह 370 के अपने लक्ष्य से बहुत पीछे रह गई। फिर भी, पहले 100 दिनों का उत्साह चेतावनी नहीं देता है। भाजपा अब गठबंधन सरकार चला रही है, इसलिए उसे अपने प्रमुख सहयोगियों, खासकर एन. चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की मांगों को पूरा करना होगा ताकि सरकार बिना किसी परेशानी के अपना काम जारी रख सके। इसने क्या अलग किया है? जबकि विनिर्माण, खासकर हाई–टेक चिप निर्माण आदि पर समग्र जोर है, अन्य क्षेत्रों में भी कई बदलाव हुए हैं। मैं इस कॉलम में उन सभी को शामिल नहीं कर सकता, न ही मेरे पास उन क्षेत्रों में किए जा रहे कदमों की दक्षता का विश्लेषण और आकलन करने की विशेषज्ञता है। मैं खुद को कृषि और ग्रामीण विकास क्षेत्र तक सीमित रखूंगा जो आम जनता के कल्याण को सबसे अधिक प्रभावित करता है।

कृषि के मोर्चे पर मोदी सरकार (मोदी 3.0) की शुरुआत कृषि और किसान कल्याण के लिए नए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ हुई, और उन्हें ग्रामीण विकास का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया। मध्य प्रदेश के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले और मध्य प्रदेश में कृषि को बदलने वाले पर्याप्त अनुभव वाले मंत्री को लाना, एक उच्च प्राथमिकता का संकेत है जिसे मोदी 3.0 के तहत कृषि और ग्रामीण विकास मिल सकता है। पहला बड़ा फैसला जो लिया गया, वह था पी. एम. किसान योजना के तहत 20,000 करोड़ रुपए वितरित करना, जो 2019 में की गई प्रतिबद्धता थी, जिसके तहत अधिकांश योग्य कृषि परिवारों को 6,000 रुपए प्रति वर्ष दिए जाएंगे। इसने स्पष्ट संकेत दिया कि पी.एम. –किसान

योजना के तहत प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण मोदी 3.0 के तहत जारी रहेगा। हालांकि मुझे उम्मीद थी कि पिछले 5 वर्षों में मुद्रास्फीति के लिए इसका नाममात्र मूल्य समायोजित किया जाएगा, और 6,000 रुपए की राशि को बढ़ाकर कम से कम 8,000 रुपए प्रति परिवार कर दिया जाएगा, लेकिन यह उम्मीद झूठी साबित हुई। केंद्रीय बजट 2024–25 में भी, हमने जलवायु परिवर्तन के मुद्दों से निपटने के लिए कृषि–आर.एंड डी. आबंटन में बड़ी वृद्धि की उम्मीद की थी। लेकिन बजट आबंटन में भी बहुत अधिक वास्तविक वृद्धि नहीं हुई। यह हमेशा की तरह ही लग रहा था। लेकिन प्रमुख घोषणाएं बाद में हुईं,जो कुछ हद तक आश्चर्यजनक थीं, जब केंद्र सरकार ने कृषि के लिए 7 योजनाओं को मंजूरी दी, जिनमें कृषि के डिजिटलीकरण (भूमि अभिलेख, किसानों के पहचान पत्र, आदि) से लेकर जलवायु परिवर्तन की पृष्ठभूमि में खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए फसल विज्ञान, पोषण और लाभप्रदता के लिए बागवानी, स्थिरता और लाभप्रदता के लिए पशुधन स्वास्थ्य और उत्पादन, जलवायु लचीलेपन और स्वच्छ पर्यावरण के लिए प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कुशल मानव संसाधनों के लिए कृषि शिक्षा और किसानों के लिए बेहतर पहुंच के लिए कृषि विज्ञान केंद्र शामिल हैं। इन योजनाओं को अगले 2–3 सालों में लागू करने के लिए लगभग 14,000 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। ये सभी कदम सही दिशा में उठाए गए हैं और अगर इन्हें सही तरीके से और जल्दी से लागू किया जाए तो ये आध्यक और राजनीतिक रूप से बहुत फायदेमंद साबित हो सकते हैं। कृषि के डिजिटलीकरण के उदाहरण से मैं इसे समझाता हूं। किसानों की पहचान पहला कदम है। मालिक–संचालक और काश्तकार के बीच अंतर करना अगला कदम है। अभी भारत का आधिकारिक आंकड़ा करीब 17 प्रतिशत काश्तकार का है, जो सूक्ष्म सर्वेक्षणों से पता चलने वाले आंकड़े से काफी कम है। यह 25 से 30 प्रतिशत के बीच हो सकता है, अगर इससे ज्यादा नहीं।

मौखिक काश्तकार की समस्या यह है कि उन किसानों के पास सात या चार प्रतिशत के संस्थागत ऋण तक बहुत सीमित पहुंच होती है, जो मालिक–संचालकों को मिलता है। 24 से 36 प्रतिशत की ब्याज दर पर उधार लेकर काश्तकार कभी भी कृषि को लाभदायक व्यवसाय नहीं बना सकते। काश्तकार किसानों को पी. एम.–किसान योजना के तहत मिलने वाले लाभ भी नहीं मिलते। वास्तविक जोतने वाले की उचित पहचान की समस्या को जल्द से जल्द हल करने की जरूरत है और उन्हें कम ब्याज दरों पर संस्थागत ऋण तक पहुंच प्रदान करना जरूरी है। लेकिन कृषि के डिजिटलीकरण को सिर्फ किसानों की पहचान करने से कहीं आगे जाना होगा। उदाहरण के लिए भूमि स्वास्थ्य कार्ड उर्वरक खरीद से जुड़े नहीं हैं। चावल उत्पादक को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी.डी. एस.) से मुफ्त चावल देने की क्या जरूरत है? अगर हम विभिन्न डेटा सेटों को त्रिकोणीय बना सकते हैं और उनका उपयोग अपने उर्वरक और खाद्य सबसिडी को बदलने के लिए कर सकते हैं, तो इससे सार्वजनिक संसाधनों के उपयोग में भारी बचत और उच्च दक्षता हो सकती है। तब कृषि के डिजिटलीकरण से होने वाले रिटर्न की सीमांत दरें इसके लिए किए जा रहे निवेश से 10 गुना से भी ज्यादा हो सकती हैं। यह इस क्षेत्र के लिए एक जबरदस्त बढ़ावा होगा, साथ ही सार्वजनिक व्यय की दक्षता भी। इसी तरह के रिटर्न कृषि की अन्य योजनाओं में निवेश से आ सकते हैं।

ग्रामीण विकास के मोर्चे पर, मोदी 3.0 ने सरकारी सहायता से ग्रामीण क्षेत्रों में 20 मिलियन अतिरिक्त घर बनाने की घोषणा की। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक और बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में राजमिस्त्री, बढ़ई, इलेक्ट्रीशियन आदि के लिए रोजगार पैदा होंगे, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब लोगों को बहुत जरूरी सम्मान और स्वच्छता मिलेगी। यह आम जनता के लिए एक सराहनीय कल्याणकारी कदम होगा और सरकार को राजनीतिक लाभ भी मिल सकता है।

अंत में, पी.एम.–ग्राम सड़क योजना के तहत, मोदी 3.0 ने 75,000 करोड़ रुपए निवेश करने की अपनी मंशा की घोषणा की है। हमारे शोध से पता चलता है कि ग्रामीण सड़कों में निवेश कृषि–जी.डी.पी. और गरीबी उन्मूलन के मामले में उच्च रिटर्न देता है क्योंकि यह ग्रामीण लोगों के लिए बाजार खोलता है। यह सब कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए कुछ उम्मीद लेकर आता है। (लेखक आई.सी.आर.आई.ई.आर. में प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं। ये उनके निजी विचार हैं)

भेड़िये के हमलावर होने का सच

—जयसिंह रावत—

इन दिनों भेड़िया बहराइच में लोगों की रातों की नींद और दिन का चैन उड़ा रहा है। देखा जाए तो भेड़िये को शेर और बाघ जैसे मांसाहारी जानवरों की तरह अत्यंत खूंखार माना जाता रहा है। विशेषज्ञ भेड़िये को बहुत शर्मीला और मनुष्य से बचकर रहने वाला मानते हैं। वास्तव में, बच्चों पर कुछ हमलों के अलावा किसी वयस्क पर हमले के कम ही दृष्टांत मिलते हैं। भेड़िये के कथित खौफ और उसके प्रति इंसान की बदले की भावना के कारण प्रकृति का यह एक महत्वपूर्ण जीव अस्तित्व के संकट से गुजर रहा है। इसकी आबादी भारत में 3 हजार से कम रह गई है। इसीलिए वन्यजीव अधिनियम में बाघ और शेरों के साथ इसे भी अति संरक्षित जीवों की सूची में रखा गया है। लेकिन संरक्षण तो रहा दूर, उसे बचाने के भी कोई उपाय नजर नहीं आते।

उत्तर प्रदेश में 1996–97 के बाद पहली बार भेड़ियों का इतने बड़े पैमाने पर आतंक देखा जा रहा है। 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर वोल्फ' के ताजा अंक में छपे एक शोध के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश में वर्ष 1996 में बच्चों पर भेड़ियों के हमले अपने चरम पर पहुंचे। उस समय भेड़ियों ने 76 बच्चों पर हमले किए थे, जिनमें से 50 बच्चों की मौत हो गई थी। उ.प्र. के अन्य हिस्सों में भी वर्ष 1997, 1998 और 1999 में बच्चों पर हमलों की घटनाएं दर्ज हुईं।

दरअसल, यह मामला भी मानव–वन्यजीव संघर्ष का है, जिसमें अकेले भेड़िये को गुनहगार नहीं मान सकते। अगर दशकों बाद भेड़िया फिर मानव जीवन के लिए संकट बनकर बाहर निकला है, तो इस समस्या का समाधान भेड़ियों की नस्ल को समाप्त करने में नहीं, बल्कि इंसान और भेड़िया के बीच संघर्ष को समाप्त करना होना चाहिए ताकि दोनों ही जीवित रहें। धरती के हर जीव का होना जरूरी है और अगर धरती पर खूंखार मांसाहारियों और शाकाहारियों में संतुलन बिगड़ गया, तो शाकाहारी जीव वनस्पति जगत का विनाश कर डालेंगे। इसीलिए उनकी संख्या नियंत्रित करने के लिए प्रकृति ने मांसाहारियों का सृजन किया है। भारतीय भेड़िया दुनिया में जीवित भेड़ियों की सबसे प्राचीन वंशावली है और भारत में इसकी वंशावली 8 लाख साल पुरानी मानी जाती है।

देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान में वन्यजीव विशेषज्ञ के अनुसार वर्तमान में उपमहाद्वीप में भेड़ियों की संख्या का कोई प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। वर्ष 2003 में किए गए दो आनुवंशिक अध्ययनों से पता चला था कि भारतीय उपमहाद्वीप में तीन हजार भेड़िया वंश मौजूद हैं। माना गया था कि देश में लगभग 350 हिमालयी भेड़िये जंगल में थे और शेष भारतीय भेड़ियों की आबादी 1,000 से 3,000 के बीच थी। जबकि इतिहासकारों के अनुसार प्राचीन अभिलेखों से पता चलता है कि 1875 और 1925 के बीच 2,00,000 भेड़ियों की खालें एकत्र की गई थीं। जाहिर है कि उस समय भारत में भेड़ियों की संख्या कई लाख में रही होगी। एक अनुमान के अनुसार उस समय भारत में वन क्षेत्र लगभग 3. 47 करोड़ हेक्टेयर था, जो कि भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग की 2021 की वनस्थिति रिपोर्ट के अनुसार 32,87,469 हेक्टेयर रह गया।

भारतीय वन्यजीव संस्थान के ही डीन पद पर रहे एक जाने–माने वन्यजीव वैज्ञानिक ने लेख में कहा है कि भेड़िये बेहद शर्मीले और मायावी जानवर हैं जो इंसानों के संपर्क से बचने की कोशिश करते हैं। वे भारत में मनुष्यों पर भेड़ियों के हमलों को असामान्य बताते हुए लिखते हैं कि तीन दशकों में ऐसी घटनाएं केवल एक 1980 के दशक में बिहार में और दूसरी 1996–97 में उत्तर प्रदेश में दर्ज हुई हैं। (बहराइच की घटना नवीनतम है।) उनका कहना है कि भारतीय भेड़िये का वजन औसतन 18 किलोग्राम तक होता है, जो कि पालतू कुत्तों जैसे जर्मन शेफर्ड और लैब्राडोर के आधे जितना होता है। इसलिये भेड़िये से एक वयस्क व्यक्ति को कोई खतरा नहीं होता, जबकि बाघ, गुलदार, हाथी और जंगली सूअरों द्वारा हर साल बड़ी संख्या में लोग मारे जाते हैं। यहां तक कि भारत में जंगली कुत्तों द्वारा भेड़ियों से कहीं अधिक लोग मारे जाते हैं। फिर भी भेड़िये को आदमखोर के रूप में बदनाम किया जाता है।

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय भेड़िये ने मानवीय गतिविधियों के कारण अपने प्राकृतिक शिकार और आवास का पांचवा हिस्सा खो दिया है। बाघ, शेर और हाथी के विपरीत, भेड़िये के संरक्षण के लिए सरकार की कोई प्रायोजित योजना नहीं है, जबकि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम में इसका उल्लेख है। हालांकि, इस कानून का क्रियान्वयन अव्यवस्थित है। भेड़ियों के असहाय शावकों को मारने के लिए उनके बिलों में जहर और धुआं दिया जाता है। भारत में ऐसा एक भी मामला नहीं है, जिसमें किसी व्यक्ति पर भेड़िये को मारने के लिए मुकदमा चलाया गया हो, जबकि बाघों के शिकार के मामले आम हैं।

भारतीय भेड़िया (कैनिस ल्यूपस पैलिप्स) कंटीले जंगलों, झाड़ियों और शुष्क घास के मैदानों में रहता है। यह जनसंख्या के निकट, विशेषकर पालतू पशुओं के लिए लालच के कारण, घने जंगलों के बजाय आबादी के पास पाया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में, मवेशियों की मौत पर लोग मृत पशुओं को फेंक देते हैं, जो भेड़ियों और अन्य मांसाहारियों के लिए भोजन का स्रोत बनता है। इस प्रकार, भेड़िये ग्रामीणों के दुश्मन बन जाते हैं, और उनकी अधिकांश मौतें इन्हीं क्षेत्रों में होती हैं। भारत में भेड़ियों द्वारा किए गए नुकसान का मुआवजा देने की कोई व्यवस्था नहीं है।

उत्तर प्रदेश में 1996–97 के बाद पहली बार भेड़ियों का इतने बड़े पैमाने पर आतंक देखा जा रहा है। दरअसल, यह मामला भी मानव–वन्यजीव संघर्ष का है, जिसमें अकेले भेड़िये को गुनहगार नहीं मान सकते। अगर दशकों बाद भेड़िया फिर मानव जीवन के लिए संकट बनकर बाहर निकला है, तो इस समस्या का समाधान भेड़ियों की नस्ल को समाप्त करने में नहीं, बल्कि इंसान और भेड़िया के बीच संघर्ष को समाप्त करना होना चाहिए ताकि दोनों ही जीवित रहें।

पहले प्रेमिका फिर प्रेमी ने उफनाती सरयू में लगाई छलांग

संवाददाता–देवरिया। लार थाना क्षेत्र में गुरुवार को उफनाती सरयू में कूदने वाली युवती को पुलिस और एनडीआरएफ की टीम खोज ही रही थी कि शुक्रवार को उसका प्रेमी भी पुल से नदी में कूद गया। गुरुवार को जिस जगह और जिस समय पर युवती कूदी, ठीक उसी जगह से उसी समय पर युवक भी कूदा। 24 घंटे के अंदर एक के बाद प्रेमी प्रेमिका के नदी में कूदने से पूरे गांव में कोहराम मचा है। कूदने से पहले प्रेमी ने फेसबुक पोस्ट लिखकर आत्महत्या करने की बात भी कही है। उसने यह भी लिखा है कि जिसकी वजह से उसकी प्रेमिका उससे दूर हुई है उसे छोड़ेगा नहीं। पोस्ट से ऐसा लग रहा है कि परिवार या कोई करीबियों को दोनों का साथ पसंद नहीं था। इसी वजह से पहले प्रेमिका फिर प्रेमी ने आत्मघाती कदम उठाया है।

लार थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक–युवती के बीच काफी समय से प्रेम–प्रसंग चल रहा था। अलग–अलग बिरादरी के रहने वाले प्रेमी–प्रेमिका पर बंदिशें बढ़ीं तो उन्होंने आत्मघाती कदम उठाने का निर्णय ले लिया। गुरुवार की सुबह करीब 11 बजे 20 वर्षीय युवती मईल थाना क्षेत्र के भागलपुर पुल पर पहुंची और सरयू में छलांग लगा दी। इसकी जानकारी मिलते ही उसके घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देर शाम तक नदी में उसकी तलाश कराई लेकिन पता नहीं चल सका।

शुक्रवार को भी युवती की तलाश होती रही। इसी बीच 32 वर्षीय प्रेमी भी भागलपुर पुल पर पहुंचा और नदी में छलांग लगा दी। सरयू में कूदने से पहले उसने अपने इस कदम के बारे में फेसबुक पर भी पोस्ट किया है। उसने युवती के नाम का जिक्र करते हुए लिखा है कि वह उससे बहुत प्यार करता था और करता रहेगा। वह भी उसी के पास जा रहा है। जिसके वजह से वह दूर हुई है उसको दोनों छोंड़ेंगे नहीं। प्रेमी एक चौराहे पर बेकरी की दुकान चलाता था। पहले युवती फिर युवक के नदी में छलांग लगाने से गांव में कोहराम मचा है। दोनों के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मईल पुलिस एनडीआएफ की मदद से नदी में उनकी तलाश में जुटी है। समाचार लिखे जाने तक उनका पता नहीं चल सका था।

थानाध्यक्ष मईल अमित कुमार राय के अनुसार गुरुवार की सुबह लार थाना क्षेत्र के एक गांव की एक युवती भागलपुर पक्का पुल से सरयू नदी में कूद गई थी। उसकी तलाश कराई जा रही थी इसी बीच उसी गांव के एक युवक ने भी नदी में छलांग लगा दी। एनडीआरएफ की मदद से दोनों की तलाश कराई जा रही है। दोनों के बीच प्रेम–प्रसंग की बात सामने आ रही है। प्रेमी ने अपने फेसबुक वाल पर इस संबंध में एक पोस्ट भी किया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मुजफ्फरनगर के दंगाइयों को सीएम आवास में बुलाकर सम्मानित करते थे अखिलेश

संवाददाता–बहराइच। जिले के प्रभारी मंत्री बनाए गए सूर्य प्रताप शाही शुक्रवार को महसी तहसील क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित इलाके में पहुंचे। वहां पर मंत्री ने बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण किया। इस दौरान अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ डीएम और एसपी भी मौजूद रहीं। मंत्री ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि अखिलेश के सारे बयान तथ्यहीन होते हैं। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं थी। इस समय भाजपा सरकार में कानून का राज है।

मंत्री ने कहा की अखिलेश सरकार में मुजफ्फरनगर के दंगाइयों को बुलाकर सीएम आवास में सम्मानित किया जाता था और अब अपराधियों पर कार्रवाई हो रही है। इसी का नतीजा है कि जनता ने उनको 2017 में रिजेक्ट किया, 2022 में रिजेक्ट किया और अब 2027 में भी उनको जनता रिजेक्ट करने जा रही है।

मकान का दीवाल व छज्जा गिरने से एक व्यक्ति की मौत

संवाददाता–देवरिया। खामपार थाना क्षेत्र के भठवा तिवारी में शुक्रवार की सुबह मकान की सफाई करने के दौरान दीवाल व छज्जा गिरने से उसमें दब कर एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। खामपार थाना क्षेत्र के भठवा तिवारी निवासी रामचन्द्र कुशवाहा (41) पुत्र लालबहादुर कुशवाहा शुक्रवार की सुबह अपने मकान में साफ सफाई कर रहे थे। इसी दौरान मकान का बरजा व दीवाल दोनों भरभरा कर उनके ऊपर गिर गया। दीवाल गिरने से उसमें दब कर वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन तत्काल उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। थानाध्यक्ष खामपार महेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि मकान की साफ सफाई करने के दौरान दीवाल गिरने से एक व्यक्ति की मौत हुई है। शव पीएम को भेज दिया गया है। रामचन्द्र कुशवाहा अपने पिता का इकलौता पुत्र एवं कमाऊ सदस्य था। उसके ऊपर ही वृद्ध पिता समेत पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी। वह मजदूरी कर के अपने परिवार का भरण पोषण करता था। शुक्रवार की सुबह जगने के बाद वह घर की सफाई करने लगा। इसी दौरान दीवाल और बरजा दोनों गिर गया। जिसमें दब कर उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से मौके पर अफरा तफरी मच गई। किसी तरह से ग्रामीणों व परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुचे। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। वृद्ध पिता लालबहादुर अपने बेटे की मौत से गुमशुम थे। वहीं पत्नी तारा देवी सहित बेटा बेटी दहाड़े मार कर रोने लगे।

पत्नी की विदाई न होने पर युवक ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

संवाददाता–कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के रामपुर खुर्द में एक युवक ने फंदे से लटककर जान दे दी। वजह यह बताई जा गई है कि ससुराल वालो ने उसकी पत्नी की विदाई नही की थी। शर्त लगाई थी की पहले वह शराब पीना छोड़ दे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रामपुर खुर्द निवासी उपेंद्र 25 पुत्र सुदामा एक सप्ताह पूर्व हैदराबाद से कमाकर घर लौटा था। उसकी पत्नी मायके चली गई थी। दो दिन पहले उपेंद्र अपने ससुराल महाराज गंज के ठूठीबारी के पास चकिया गांव गया था। ससुराल वालो से पत्नी को विदा करने को कहा तो ससुराल वालो ने कहा कि पहले शराब पीना बंद कर दो तब विदाई करेंगे। वृहस्पतिवार को वह शराब के नशे में घर आया तो परिवार वालो से कहा सुनी हुई। देर शाम को घर से निकल गया। गांव के बाहर शमशान घाट के जाकर पेड़ की डाल में फंदा लगाकर जान दे दी। शुक्रवार को ग्रामीणों की सूचना पर नेबुआ नौरंगिया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सपा संतसभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत भवनाथ दास को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। हनुमानगढ़ी पूर्व सरपंच हरिद्वार पट्टी के पहलवान नागा महंत भवनाथ दास महाराज के आश्रम पर उनके शिष्य महंत रमेश दास के संयोजन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें हनुमानगढ़ी के संत महंत ही नहीं बल्कि पूरी अयोध्या और श्री महाराज जी से जुड़े शिष्य भी श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित हुए और श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री महाराज जी फक्कड़ स्वभाव के थे और हनुमानगढ़ी के सरपंच के साथ समाजवादी पार्टी संत सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी थे और निरंतर सभी की बात सुनते थे उनकी सज्जनता और सरलता के कारण आज श्री महाराज जी के साकेत वास के बाद श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धांजलि देने के लिए संतों महंतों के साथ राजनीति से जुड़े भी लोग उपस्थित हुए और श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

महाराज जी के शिष्य महंत रमेश दास महाराज ने बताया कि श्री महाराज जी सरल स्वभाव के थे सभी की बात सुनते थे और जितनी हो सकती थी उतनी सेवा निरंतर करते रहते थे 80 वर्षों तक संत जीवन व्यतीत करते हुए हनुमान जी की सेवा की श्री महाराज जी को

श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए अयोध्या के संत महंत हनुमानगढ़ के सभी संत महंत उपस्थित हुए सभी ने महाराज जी के व्यक्तित्व पर अपने विचार व्यक्त किया मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं। श्री महाराज जी के श्रद्धांजलि सभा में अखाड़ा के श्री महंत मुरली दास, पूर्व प्रधानमंत्री माधव दास, संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास, हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास, करतलिया आश्रम के बाल योगी महंत रामदास, सुग्रीव आश्रम के महंत विनोद दास, हनुमान बाग के महंत जगदीश दास, अयोध्या समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव, प्रधानाचार्य रामबक्स यादव सहित सैकड़ो संतों महंतों राजनीतिक पार्टियों से जुड़े लोगों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पनियहवा पुल से नारायणी नदी में गिरा युवक लापता, मोटरबोट से पुलिस कर रही तलाश

संवाददाता–कुशीनगर। खड्डा थाना क्षेत्र के पनियहवा पुल के नीचे से पत्नी के साथ घूमने गया सिद्धार्थनगर निवासी 36 वर्षीय पति पैर फिसलने से नदी में गिरकर लापता हो गया। जबकि कुछ लोग पत्नी द्वारा पति को नदी में धक्का देने की बात कह रहे हैं सूचना पाकर मौके पर पहुंची सालिकपुर चौकी की पुलिस पत्नी व उसकी चाची को कब्जे में लेकर पुछताछ में जुटी है। पुलिस की दूसरी टीम नदी में लापता युवक को मोटरबोट के माध्यम से तलाश कर रही हैं। सिद्धार्थनगर जिले के ग्राम मिश्रौलिया शिवदास टोला निवासी जोगमणि 36 पुत्र रामनिवास की शादी रक्सौल बिहार के ग्राम लक्ष्मीपुर निवासी जयराम की पुत्री लालती देवी से हुई है।जोगमणि के दो पुत्र शुभम 5 वर्ष शिवम् 3 वर्ष है।जोगमणि शुक्रवार को रक्सौल ससुराल से पत्नी लालती बच्चों और पत्नी की चाची राधिका के साथ किसी साधन से पनियहवा पुल पर घूमने पहुंचा। नदी के किनारे स्थित बोल्डर पर पैर फिसलने वह नदी में गिर गया और लापता हो गया।

इसकी सूचना मिलते ही खड्डा इंस्पेक्टर अनिल सिंह, हनुमानगंज एसओ अजय पटेल, एसआई अजय कुमार यादव, कांस्टेबल दीपू कुंवर, रणजीत यादव, प्रदीप मौर्या आदि मौके पर पहुंच गये। मोटरबोट से नाविकों के साथ उसकी चारों तरफ खोजबीन की। लेकिन जोगमणि का कही पता नहीं चल सका। उसे ढूंढने के लिए पुलिस ने एसडीआरएफ टीम को मौके पर बुलाया है। घाट पर मौजूद लोगों ने पत्नी द्वारा पति को नदी में धक्का देने की बात पुलिस को बताई है। पुलिस दोनों महिलाओं को थाने लाकर इस सम्बन्ध में पुछताछ कर रही है। जबकि पत्नी पैर फिसलने से पति के नदी में गिरने की बात कह रही है।

पिता के साथ सो रहे 5 साल के मासूम का रात में अपहरण, खोजने में जुटी पुलिस

संवाददाता–देवरिया। सुरौली थाना क्षेत्र मे गुरुवार की रात में पिता के साथ सो रहे मासूम का अपहरण हो गया। सूचना पर सदर कोतवाली और सुरौली थाने की पुलिस मौके पहुंची। पिता की तहरीर पर सुरौली पुलिस ने अज्ञात अपहरणकर्ताओं के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मासूम की बरामदगी के लिए लग गई। पुलिस का कहना है कि जल्द मासूम को खोजकर परिवार को सौंपा जाएगा और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बच्चे की बरामदगी के लिए तलाश और आरोपियों की दबिश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सुरौली थाना क्षेत्र के फुलवरिया गांव के रहने वाले राजेंद्र राजभर अपने परिवार के भरण पोषण के लिए हरैया चौराहे पर एक दुकान किए हुए हैं। उसी दुकान में वह परिवार और बच्चों के साथ रहते हैं। प्रतिदिन की भांति गुरुवार की रात को खाना खाने के बाद राजेंद्र अपने 5 वर्षीय बेटे अजीत राजभर के साथ

दुकान के बाहर सोए हुए थे। रात में बिस्तर पर सो रहे मासूम का किसी ने अपहरण कर लिया। इसकी भनक उन्हें नहीं हुई। कुछ देर बाद राजेंद्र की आंख खुली तो बेटे को पास में न देखकर दंग रह गए । वह कुछ दूरी पर सो रही पत्नी व दूसरे बेटे के पास पहुंचे लेकिन वहां भी अजीत नहीं था। यह देख पति–पत्नी बदहवास होकर रोने लगे। रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी जाग गए। इसी बीच किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पहुंची और घटना के बारे में कोतवाली और सुरौली पुलिस ने जानकारी लिया। घटना के बारे में जानकारी लेने के बाद कोतवाली पुलिस लौट गई। सुरौली पुलिस ने पिता राजेंद्र राजभर की तहरीर पर अज्ञात अपहरण कर्ताओं के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मासूम बच्चे की सकुशल बरामदगी के लिए छापेमारी शुरूकरदियाहै। पुलिस आस–पास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

लग्जरी गाड़ी से शराब बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। पुलिस ने श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के हदहदवा भवानी मंदिर के समीप से शुक्रवार को चार पहिया वाहन से बिहार ले जा रहे शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए तस्कर के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम हदहदवां भवानी मंदिर के पास जांच के दौरान बिहार जाने वाली वेस्ट बंगाल नम्बर की चार पहिया वाहन को रोक लिया। तलाशी के दौरान लग्जरी वाहन के अंदर से 7 पेटी रायल स्टैग अंग्रेजी शराब बरामद हुआ। मौके से पुलिस ने कार सवार व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसकी पहचान रणधीर कुमार पुत्र महेश राय निवासी दुधैला कृषि फार्म थाना सोनपुर जिला छपरा बिहार के रूप में हुआ है। पुलिस शराब सहित वाहन को कस्टडी में लेकर पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक कल्याण सिंह सागर, उपनिरीक्षक बलराम सिंह, अंकित सिंह, कांस्टेबल कैलाश पटेल, मुकेश कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा संजय दास महाराज का जन्म दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। संत अपनी दया सेवा और शिक्षा के लिए ही नवजीवन में प्रवेश करते हैं और जीवन पर्यंत सेवा ही करते रहते हैं पिछले कई वर्षों से धर्म सम्राट ज्ञान दास जी महाराज के शिष्य संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास महाराज का जन्मोत्सव हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हेमंत दास महाराज के संयोजन में सेवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है इस वर्ष 21 सितंबर को गरीब असहाय जरूरतमंद व्यक्तियों की सेवा करके सेवा दिवस के रूप में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। हेमंत दास महाराज ने बताया कि स्वामी श्री भागवताचार्य स्मारक सदन में दिन में 11 से 3 बजे तक स्नेह मिलन एवं आशीर्वाद का कार्यक्रम होगा। जरूरतमंदों की सेवा की जाएगी। उन्होंने बताया कि संतों का जीवन सेवा के लिए ही होता है ठाकुर जी की भजन सेवा के साथ मानव सेवा है वैष्णो सनातन धर्म जगतगुरु रामानंदाचार्य के अनुयायियों का गहना है और जैसे भी हो सेवा का संकल्प मन में होना चाहिए सेवा से ही हनुमान जी महाराज प्रसन्न होते हैं और सेवा के सबसे बड़े प्रतीक श्री हनुमान जी है जो इस कलयुग में भी प्रभु श्री राम के भक्तों की निरंतर सेवा करते रहते हैं। यही कारण है कि श्री राम जी हनुमान जी महाराज को कलयुग का राजा बनाकर के गए हैं कि राम भक्तों की प्रसन्नता के लिए कार्य करें और संजय दास जी महाराज का जन्म दिवस सेवा दिवस के रूप में वर्षो से मानते आए हैं और यह आगे भी जारी रहेगा।

बैठक से नदारद 27 अधिकारियों का एक दिन का वेतन कटा

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में 14 सितम्बर को जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी थी। जिसमें अधिकारियों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। बैठक से 27 अधिकारी बिना सूचना अनुपस्थित रहे थे। जिनका स्पष्टीकरण ठीक न मिलने पर एक दिन का वेतन काट लिया गया। जिलाधिकारी ने सक्षम स्तर से बिना अनुमति प्राप्त किए मुख्यालय से बाहर पाये जाने पर अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन बाधित करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीएम की बैठक में जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डा हरिओम वाजपेयी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी वीके मिश्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीके दास, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत इकौना सतीश कुमार, एसिस्टेंट कमिश्नर राज्य कर व जीएसटी प्रदीप कुमार का वेतन काटते हुए कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। इसके साथ ही बीएसए अजय कुमार गुप्ता, जिला उपायुक्त मनरेगा प्रभात कुमार श्रीवास्तव, डीपीआरओ नन्दलाल, जिला उपायुक्त स्वतः रोजगार राजीव कुमार, सीएमएस डा रामगोपाल, डीडीओ रामसमुझ, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत सुभाष भारतीय, सहायक श्रमायुक्त संतपाल, जिला युवा कल्याण अधिकारी, प्राचार्य राजकीय पॉलिटेक्निक कालेज सिरसिया सियाराम, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी नरेन्द्र मिश्र, जिला बचत अधिकारी राम प्रसाद भी बैठक में उपस्थित नहीं हुए थे। इनका भी वेतन बाधित कर कारण बताओ नोटिस जारी की गई है। वहीं अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विवेक कुमार प्रिय, सहायक निबन्धक सहकारिता विभाग प्रेमचन्द्र प्रजापति, अभिहीत अधिकारी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रसाधन मंजूषा सिंह, उप कृषि निदेशक सुरेन्द्र चन्द्र चौधरी, पर्यटन सूचना अधिकारी मनीष श्रीवास्तव, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी डा राम कृपाल, अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई सुनील कुमार, उपायुक्त उद्योग वीके चौधरी, प्राचार्य आईटीआई भिनगा नथुनी प्रसाद प्रजापति व जिला सेवायोजन अधिकारी भी बैठ से अनुपस्थित रहे थे। इनका भी बैठक के दिन का वेतन बाधित कर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही डीएम ने निदेशालय स्तर पर पत्र प्रेषित किया है। डीएम ने निर्देशित किया है कि सम्बन्धित अधिकारी अपना लिखित स्पष्टीकरण तीन दिवस के अन्दर प्रस्तुत करें।

सदर विधायक ने किया नमो प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

संवाददाता–देवरिया। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले नमो प्रदर्शनी का शुभारंभ जीआईसी सभागार में शुक्रवार को मुख्य अतिथि सदर विधायक डा. शलभ मणि त्रिपाठी ने फीता काटकर किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित नमो प्रदर्शनी का शुभारम्भ हुआ है। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री के बचपन से लेकर अब तक की उनकी यात्रा का पूरा चित्रण प्रदर्शनी के माध्यम से किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का पूरा जीवन हम सब के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम के जिला संयोजक महामंत्री प्रमोद शाही ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संघर्ष की बदौलत विश्व के सबसे ज्यादा लोकप्रिय प्रधानमंत्री बनने तक की यात्रा पूरी की है।

प्रदर्शनी के संयोजक अरविंद पांडे ने बताया कि ये प्रदर्शनी 2 अक्टूबर तक रहेगी। जिसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चों को प्रदर्शनी दिखाई जायेगी। उन्होंने नगर के नागरिकों से भी प्रदर्शनी में आने की अपील की है। इस दौरान जिला महामंत्री रविंद्र कौशल, पवन मिश्रा, अंकुर राय, प्रभाकर तिवारी, मंडल अध्यक्ष रमेश वर्मा, जितेंद्र सिंह एडीओ महेंद्र प्रसाद, अशोक इंटर कालेज के प्रधानाचार्य डीएन तिवारी के अलावा विद्यालय के अध्यापक, कर्मचारी व छात्र उपस्थित रहे।

अधिग्रहित भूमि के मुआवजे के लिए किसानों का प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। रामजानकी महामार्ग के निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई जमीन का उचित मुआवजा किसानों को नहीं मिला रहा है। प्रशासन द्वारा प्रतिकर के भुगतान में विलंब से किसानों के सब्र का बांध टूटने लगा है। शुक्रवार को पूर्व विधायक स्वामीनाथ के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया और उपजिलाधिकारी अंगद यादव को प्रतिवेदन देकर एक सप्ताह में भुगतान न होने पर 27 सितम्बर की तहसील गेट पर चक्का जाम करने की चेतावनी दी।

पूर्व विधायक ने कहा कि सरकार विकास के नाम पर किसानों के साथ छल कर रही है। रामजानकी महामार्ग के निर्माण के लिए एक तो मनमाने तरीके से भूमि का अधिग्रहण किया फिर मुआवजा देने में मनमानी कर रहे है। डेढ़ वर्ष से ऊपर हो गए अभी तक राम जानकी मार्ग का प्रतिकर नहीं मिला है।किसान तहसील से जिला तक का सालो से चक्कर लगा रहे है। पी डब्लू डी हीलाहवाली कर रहा है और उपजिलाधिकारी के न्यायालय में किसानों का नाम खतौनी से खारिज कराकर अपना नाम दर्ज कराने के लिए मुकदमा दाखिल किया है। यदि 26 सितम्बर तक मुआवजा किसानों को नहीं मिला तो 27 सितम्बर को तहसील गेट पर धरना देगे और चक्का जाम करेगे।

वक्फ बोर्ड संशोधन विरोधियों के लिए होगा बगला ब्रह्मास्त्र महायज्ञ का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।वक्फ बोर्ड का समर्थन करने वालों और भारत सरकार द्वारा लाए गए वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक का विरोध करने वालों के समूल नाश को लेकर 3 अक्टूबर से बगला ब्रह्मास्त्र महायज्ञ का आयोजन करेगा जानकारी देते हुए रामादल अध्यक्ष पण्डित कल्कि राम ने बताया कि भारतीय संस्कृति सभ्यता के विरुद्ध कुचक्र रचकर अंग्रेजी संगठन कांग्रेस ने 1954 में अवैध रूप से वक्फ बोर्ड का गठन किया और असीमित अधिकार प्रदान किए जिसके परिणाम स्वरूप इस अवैध बोर्ड ने अबतक सनातन धर्म के कई सिद्ध स्थलों पर अतिक्रमण करते हुए अपना मालिकाना अधिकार बता दिया और फर्जी बोर्ड अब चोरी सीना जोरी पर उतर कर भारत सरकार द्वारा लाए गए बिल का विरोध करने लगा है। धर्म के आधार पर देश का विभाजन होने के बाद पकिस्तान बना और जो लोग पकिस्तान में अपनी सम्पत्ति छोड़कर आए उनकी उस सम्पत्ति पर वहां के लोगों ने कब्जा कर लिया और जो लोग भारत में अपनी सम्पत्ति छोड़कर गए उनकी सम्पत्ति को संरक्षित करने के नाम पर वक्फ बोर्ड बना दिया गया। जो सनातनी

भाई बहन अपने निजी स्वार्थ के दलदल में फंसकर इसका समर्थन कर रहे हैं उनके लिए सीधी चेतावनी है की सनातन धर्म के अस्तित्व को चुनौती देने वाले इस फर्जी बोर्ड का समर्थन करने से दूरी बनाएं क्योंकि आपका समर्थन बेकार तो जायेगा ही किन्तु आपके इस कुकर्म के लिए आपकी आने वाली पीढ़ी आपको माफ नहीं करेगी।वक्फ बोर्ड के हिमायतियों को चाहिए की वे स्वतः इस बोर्ड को खारिज कर कब्जा की गई जमीन और सिद्ध स्थलों को खाली कर दें। सनातन धर्म की सहनशीलता को उसकी कमजोरी न समझे। सोशल मीडिया के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र दामोदरदास मोदी जी से वक्फ बोर्ड की मान्यता तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की मांग की गई है।

चोर के संदेह में मंदबुद्धि युवक को ग्रामीणों के घेर कर बैठाया, पुलिस ने कराया मुक्त

संवाददाता–कुशीनगर। तमकुहीराज थाना क्षेत्र के परसौनी खुर्द गांव के ग्रामीणों ने बृहस्पतिवार की रात गांव में घूम रहे एक अज्ञात युवक को चोर होने के शक में ग्रामीणों ने पकड़ कर बैठा लिया। सूचना के बाद पहुची डायल 112 पुलिस ने युवक को ग्रामीणों के चुंगल से उसे मुक्त कराया। युवक मंद बुद्धि है। पुलिस गांव से बाहर सड़क पर उसे छोड़कर चली गई। इन दिनों क्षेत्र में अज्ञात चोरो के घुमने की अफवाह जोरो पर है।इसी दौरान क्षेत्र के परसौनी खुर्द गांव में बृहस्पतिवार की रात करीब 11 बजे 36 वर्षीय एक युवक सन्दिग्ध अवस्था मे घूम रहा था।जब ग्रामीणों की नजर युवक पर पडी तो ग्रामीण लाठी डंडा लेकर युवक को घेरकर बैठा लिए। लोगो की भीड़ जुट गई।ग्रामीणों ने संदिग्ध व्यक्ति के पकड़े जाने की सूचना डायल 112 पुलिस को दी।सूचना पर करीब एक घण्टे देर से आई पुलिस ने युवक से पूछताछ शुरू किया तो युवक कुछ बोल नही पा रहा था।पुलिस के मुताबिक युवक मंदबुद्धि प्रतीत हो रहा था। पुलिस ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर युवक को उनके चंगुल से छुड़ाया। उसे गांव से बाहर करा दिया। इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक तमकुहीराज अमित शर्मा ने बताया कि संदिग्ध व्यक्ति के पकड़े जाने की सूचना मिली थी, सूचना पर डायल112 पुलिस गई थी।पकड़ा गया व्यक्ति अर्धविक्षिप्त लग रहा था ग्रामीणों को समझा कर युवक को छुड़ाया दिया गया। अफवाहों के चक्कर में न पड़े ग्रामीण..प्रभारी निरीक्षक तमकुहीराज अमित शर्मा ने लोगो से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दे। किसी प्रकार का कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। उसके साथ किसी प्रकार की मारपीट न करे, अगर पकड़ा गया संदिग्ध अपराध में संलिप्त पाया गया तो पुलिस कानूनी कार्यवाही करेगी।

स्वशासी मेडिकल कालेज में एमबीबीएस में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू

संवाददाता–गोण्डा। स्वशासी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष में प्रवेश की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई। आल इंडिया कोटे 15 सीटों पर प्रवेश शुक्रवार से मिल सकेगा। इसके तहत प्रवेश 27 सितम्बर तक चलेगा। इसके बाद प्रदेश स्तर की काउंसलिंग से बाकी बची 85 सीटों पर 03 अक्तूबर से 14 अक्तूबर तक प्रवेश दिए जाएंगे। छात्रों के प्रवेश को लेकर शुक्रवार को कालेज प्रशासन आवश्यक कार्यवाही में जुटा रहा। बीते 10 सितंबर को ही नेशनल मेडिकल कौंसिल (एनएमसी) ने मेडिकल कॉलेज को एमबीबीएस प्रथम वर्ष में 100 सीटों पर प्रवेश की अनुमति दी है। प्रवेश की अनुमति मिलने के बाद मेडिकल कॉलेज संचालन की राह के सभी रोड़े हट गए। इससे पहले बाबू ईश्वर शरण अस्पताल को मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध कर दिया गया था। हालांकि, एनएमसी की टीम के दौरे के बाद प्रवेश की अनुमति देने से मना कर दिया था। बाद में दौरे के दौरान मिली कमियों को पूरा करने और फिर से प्रत्यावेदन करने पर एनएमसी ने 100 सीटों पर प्रवेश की अनुमति दे दी।

छत्तीस हजार रुपए प्रतिवर्ष लगेगी फीस रू एमबीबीएस प्रवेश के लिए छात्रों को 36000 रुपए फीस देना होगा। एससी ध्एसटी के छात्रों की आधी फीस यानि मात्र 18000 रुपए ही अदा करना होगा। इसके अलावा 4800 रुपये हास्टल व बिजली का शुल्क छात्र–छात्राओं को को देना पड़ेगा।

प्रधानाचार्य सहित चार प्रोफेसर व 33 असिस्टेंट प्रोफेसरों की तैनाती रू मेडिकल कालेज में प्रधानाचार्य समेत चार प्रोफेसर व 33 असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति पहले ही की जा चुकी है। वहीं 20 सीनियर रेजीडेंट व 50 जूनियर रेजीडेंट डाक्टरों की भी तैनाती हो गई है।

डॉ. धनंजय श्रीकांत कोटास्थाने, प्रधानाचार्य ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के आल इंडिया कोटे से 15 सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू हो गई। आल इंडिया कोटे से 27 सितम्बर तक प्रवेश होगा। 03 अक्तूबर से स्टेट कोटे की सीटों पर काउंसलिंग के जरिए प्रवेश मिल सकेगा।

शिक्षक विरोधी नीतियों के विरोध में प्रदर्शन

संवाददाता–गोण्डा। शहर के एलबीएस पीजी कॉलेज में शुक्रवार को फुपुक्टा के आह्वान पर शिक्षक संघ ने महाविद्यालय परिसर में सरकार की शिक्षक विरोधी नीतियों एवं नई शिक्षा नीति की दोषपूर्ण नीतियों के विरोध में धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया। शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र नाथ मिश्रा ने कहा की नई शिक्षा नीति 2020 के कुछ बिंदु ऐसे हैं जो शिक्षार्थी और शिक्षक दोनों के लिए हानिकारक है। सरकार को इन बिंदुओं पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक संघ ऐसी शिक्षा विरोधी नीतियों एवं शिक्षक विरोधी नीतियों का निरंतर प्रतिरोध करता रहेगा। अवध विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ के महामंत्री प्रो. जितेंद्र सिंह ने शिक्षक विरोधी नीतियों को गिनाते हुए पुरजोर प्रतिरोध करने की अपील की।

युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज आजीवन भारतीयता के मूल्यों और आदर्शों के लिए लड़ते रहे –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरक्षपीठ को साधना स्थली बनाकर सनातन धर्म के परिपूर्ण स्वरूप के अनुरूप आचरण करने वाले युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज आजीवन भारतीयता के मूल्यों और आदर्शों के लिए लड़ते रहे। उनके बताए मूल्यों और आदर्शों ने भारतीयता के नवनिर्माण, पूर्वी उत्तर प्रदेश और गोरखपुर में सुसंस्कृत समाज की नींव रखी। उनके विचारों और उनके कृतित्वों से हमें आज भी निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। सीएम योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतर्गत शुक्रवार (आश्विन कृष्ण तृतीया) को महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि पर अपनी भावाभिव्यक्ति कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गोरक्षपीठ के उनके पूर्ववर्ती दोनों पीठाधीश्वरों युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज का पूरा जीवन देश और धर्म के लिए समर्पित था। उन्होंने धर्म को केवल उपासना विधि नहीं माना बल्कि भारतीय मनीषा में धर्म के जिसे स्वरूप की बात कही गई है, उसके अनुरूप जीवन जिया। धर्म के दो हेतु होते हैं। एक सांसारिक उत्कर्ष और दूसरा निःश्रेयस। दोनों ही संतों ने धर्म के इन दोनों स्वरूपों को लेकर समाज का मार्गदर्शन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक सभ्य और समर्थ समाज के लिए पहली आवश्यकता शिक्षा की होती है। इसी उद्देश्य को समझते हुए महंत अवेद्यनाथ जी ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। यह काम धनोपार्जन के लिए नहीं बल्कि लोक कल्याण के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि देश के आजाद होने के बाद किसी जगह विश्वविद्यालय बनाने के लिए तत्कालीन राज्य सरकार को 50 लाख रुपये नकद या इतने की संपत्ति की जरूरत होती थी। महंत दिग्विजयनाथ ने गोरखपुर में विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए, इसे पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बनाने के लिए शिक्षा परिषद की संस्था एमपी बालिका डिग्री कॉलेज की संपत्ति दे दी। उस समय की 50 लाख की संपत्ति का आज के समय में मूल्य 500 करोड़ रुपये होगा। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अपने समय में योगदान करते हुए महंत दिग्विजयनाथ जी ने 1956 में एमपी पॉलिटेक्निक और चिकित्सा शिक्षा के लिए साठ के दशक में आयुर्वेद कॉलेज की स्थापना कर दी थी। इन प्रकल्पों को आगे बढ़ाने का काम महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने किया।

सीएम योगी ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ ने सनातन धर्म की सुदृढ़ता के लिए अनेक कार्यक्रमों को बिना थके, बिना रुके, बिना डिगे तेजी से आगे बढ़ाया। हिंदू समाज को एकजुट करने के लिए उन्होंने छुआछूत मिटाने के अभियान में कभी सरकारों की परवाह नहीं की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरक्षपीठ के पूज्य संतों के नेतृत्व में जो भी काम हुए, वह व्यक्तिगत नाम के लिए नहीं बल्कि हर काम देश, सनातन धर्म और समाज के नाम रहा। ऐसा इसलिए कि सनातन धर्म के अनुरूप होने वाले सभी कार्य लोक कल्याण की भावना से परिपूर्ण होते हैं। सनातन की मजबूती किसी के उत्पीड़न के लिए नहीं बल्कि लोक कल्याण के लिए होती है। सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म चराचर जगत के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। यही कारण है कि आकस्मिक आपदाओं, सम–विषम परिस्थितियों में आक्रांताओं का समाना करते हुए अहर्निश जीवंत है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की यह विशेषता और महानता है कि यह आक्रांताओं को भी सद्भावना से विदा करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आक्रांताओं के सपने पूरा करने के लिए कोई नक्सलवाद, आतंकवाद और अलगाववाद के नाम पर आता है लेकिन भारत में अंततः नाकाम हो जाता है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी सबने कुछ ऐसी ही स्थिति देखी होगी। कोरोना से जब दुनिया उबर नहीं पा रही तब भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी रहन सहन, खानपान और पूजा समेत जीवन पद्धति ने हमें सभी परिस्थितियों का सामना करने के अनुकूल बनाया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरक्षपीठ के पूज्य संतों दिग्विजयनाथ जी एयर अवेद्यनाथ जी की साधना और संकल्पों की सिद्धि है। निस्वार्थ संत जब संकल्प लेते हैं तो उसे पूर्ण होना ही है। संतजन के संकल्पों की पूर्णता से सबका हृदय अंतःकरण के प्रफुल्लित होता है। आज रामलला के विराजमान होने के साथ पूरी अयोध्या जगमगा रही है। सीएम योगी ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी का जन्म मेवाड़ की वीरभूमि में हुआ था लेकिन उन्होंने गोरखपुर को अपनी कर्मभूमि और साधना स्थली बनाया। उनमें दिव्य दृष्टि थी। 1949 में ही उन्होंने अपनी इस दिव्य दृष्टि से देख लिया था कि अयोध्या में राम मंदिर बनेगा। आज उनके एक–एक संकल्प की पूर्ति हो रही है। सीएम योगी ने कहा कि हम किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हों, अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तो यह ब्रह्मलीन महंतद्वय के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विकसित भारत बनाने के लिए जो पंच प्रण दिए हैं, उनमें नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन सबसे महत्वपूर्ण है।

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वशिष्ठ आश्रम, अयोध्याधाम से आए, पूर्व सांसद डॉ. रामविलास वेदांती ने कहा कि सामाजिक समरसता और हिंदुत्व के नाम पर पूरे देश में किसी मठ का नाम लिया जाता है तो वह गोरखनाथ मठ है। गोरक्षपीठ हिंदुत्व और सामाजिक समरसता के नाम पर हमेशा ही मुखर रही है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन का सफल होना गोरक्षपीठ की अगुवाई के बिना संभव नहीं था। महंत दिग्विजयनाथ द्वारा किए गए नेतृत्व से रामलला का प्रकटीकरण हुआ तो 1984 में जब कांग्रेस सरकार के भय से कोई संत राम मंदिर आंदोलन का नेतृत्व करने को तैयार नहीं था, तब महंत अवेद्यनाथ ने यह कहकर मंदिर आंदोलन की अगुवाई की कि उन्हें गोरखनाथ मंदिर की चिंता नहीं है बल्कि रामलला की चिंता है, राम मंदिर बनना ही चाहिए।

महंत अवेद्यनाथ नेतृत्व स्वीकार नहीं करते तो राम आंदोलन चल नहीं पाता। डॉ. वेदांती ने कहा कि 1973 में यदि महंत दिग्विजयनाथजीवित होते तो बांग्लादेश एक अलग देश नहीं बल्कि भारत का एक राज्य होता। उन्होंने कहा कि समाज में छुआछूत दूर करने के लिए दिग्विजयनाथ जी और अवेद्यनाथ जी ने जितना काम किया, उतना किसी ने भी नही किया। वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि आज किसी भी अन्य प्रांत में साम्प्रदायिक हिंसा होती है तो वहां का हिंदू चिल्लाकर कहता है कि उसे योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व चाहिए। बांग्लादेश देश के हिंदू भी आज अपने संरक्षण के लिए योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व चाहते हैं।

श्रद्धांजलि सभा में जगद्गुरु अनंतानंद द्वाराचार्य काशीपीठाधीश्वर स्वामी डॉ. राम कमल दास वेदांती ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ ने स्वाभिमानपूर्वक धर्म और राष्ट्र की रक्षा करना सिखाया। उन्होंने कहा कि संत की भूमिका सिर्फ कुटी में चिंतन करने तक सीमित नहीं है और यही काम गोरक्षपीठ के महंतों ने किया। इस अवसर पर गोरखनाथ आश्रम, जूनागढ़, गुजरात के महंत शेरनाथ ने कहा किमहंत दिग्विजयनाथ जी और महंत अवेद्यनाथ ने अपना जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। शिक्षा, स्वास्थ्य समेत समाज के विकास में उनका अभूतपूर्व योगदान है।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ का व्यक्तित्व करिश्माई और असाधारण था। वह राष्ट्र केंद्रित राजनीति के अग्रणी योद्धा थे। प्रो. टंडन ने कहा कि उनके द्वारा जगाई गई शिक्षा की अलख की प्रतिबिंब महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के बारे में बताया जाता है कि वर्तमान में इसके तहत 52 संस्थाएं हैं। वास्तव में शिक्षा परिषद की 52 नहीं बल्कि सही मायने में 53 संस्थाएं हैं क्योंकि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय भी इसी परिषद का अंग है। गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना का सपना तब साकार हुआ जब महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक महंत दिग्विजयनाथ जी ने इस परिषद की दो संस्थाएं गोरखपुर विश्वविद्यालय के नाम कर दीं। गोरखपुर विश्वविद्यालय उनका हमेशा ऋणी रहेगा। कुलपति ने ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी युग प्रवर्तक थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति के अनुरूप समाज निर्माण का व्रत ले रखा था। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने मैकाले की शिक्षा नीति के कुप्रभाव से समाज और राष्ट्र को बचाने के लिए 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। वह शिक्षा को राष्ट्र के विकास के लिए सबसे ताकतवर हथियार मानते थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को पुष्पित व पल्लवित किया। इसका परिणाम है कि आज इस परिषद के अंतर्गत 52 संस्थाएं संचालित हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं की तरफ से श्रद्धांजलि के क्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी, कर्नल डॉ. अरविंद कुशवाहा, डॉ. डीएस अजीथा, प्रो. नवीन के., डॉ. डीपी सिंह, डॉ. ओपी सिंह, डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, हर्षिता सिंह, डॉ. अरविंद चतुर्वेदी, डॉ. अजय कुमार पांडेय, डॉ. अनिल प्रकाश सिंह, डॉ. सुधीर अग्रवाल, शीतल डी. के., पंकज कुमार, डॉ. व्यासमुनि मिश्र, डॉ. शशिप्रभा सिंह, जगदम्बिका सिंह, हरिकेश त्रिपाठी, आशुतोष कुमार त्रिपाठी, डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव, पवन सिंह तथा राजेंद्र सिंह ने अपनी–अपनी संस्था की तरफ से महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और महंत अवेद्यनाथ जी महाराज को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज रमदत्तपुर की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, गुरु वंदना तथा श्रद्धांजलि गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति की। वैदिक मंगलाचरण डॉ. रंगनाथ त्रिपाठी, गोरक्ष अष्टक पाठ गौरव तिवारी व आदित्य पांडेय, दिग्विजय स्त्रोत पाठ डॉ. अभिषेक पांडेय ने किया जबकि संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह और आभार ज्ञापन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष राजेश मोहन सरकार ने किया। समारोह के दौरान गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के आचार्य डॉ. गोपीकृष्ण एस. की पुस्तक 'रोग निदान, एवं विकृति विज्ञान'का विमोचन मंचासीन अतिथिगण द्वारा किया गया।

सभा का समापन महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज रमदत्तपुर की छात्राओं द्वारा वंदे मातरम गायन से हुआ। इस अवसर पर दिगम्बर अखाड़ा अयोध्या के महंत सुरेश दास, हरिद्वार से पधारे योगी चेताईनाथ, फतेहाबाद हरियाणा से आए योगी राजनाथ, उज्जैन मध्य अयोध्या धाम से पधारे योगी कमलचंद्र, कर्नाटक से आए योगी भयंकरनाथ, बक्सर से आए योगी शीलनाथ, महाराष्ट्र से आए योगी मुकेशनाथ, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रसाद में चर्बी मिलना जघन्य अपराध, ये हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ –आचार्य सत्येंद्र दास

संवाददाता–अयोध्या। आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी और मछली का तेल मिलाने की रिपोर्ट सामने आने के बाद अयोध्या के संतों में भयानक गुस्सा है। राम मंदिर में 22 जनवरी को जब भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी तब तिरुपति से आए प्रसादम एक लाख लड्डू अतिथियों के बीच बांटे गए थे। तिरुपति बालाजी से राम मंदिर के उद्घाटन के मौके पर खास तौर पर बनाए गए तीन टन लड्डू आए थे। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने एक लैब की जांच में लड्डू में जानवरों की चर्बी और मछली का तेल मिलने की रिपोर्ट पर कहा कि सरकार गंभीरता से इसकी जांच कराए और दोषियों को दंड दे।

आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि ये बहुत दुखदायी बात है और करोड़ों लोगों की आस्था के ऊपर आघात है। उन्होंने आशंका जाहिर की है कि सनातन धर्म पर चोट पहुंचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय साजिश का यह हिस्सा हो सकता है इसलिए सरकार इसकी ठीक से जांच करे और पता लगाए कि इसमें कोई विदेशी साजिश है या ये देश के लोगों की ही करतूत है। मुख्य पुजारी दास ने कहा कि तिरुपति बालाजी के लड्डू की बहुत प्रसिद्धि है। जिसने भी ऐसा घृणित काम किया है, वो बहुत ही भयंकर अपराधी है, देशद्रोही है। दास ने कहा कि लड्डू में कब से ये सब मिलाया जा रहा है, पता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार सुनिश्चित करे कि ऐसी घटना आगे ना हो। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को विधायकों की मीटिंग में कहा था कि जगन मोहन रेड्डी सरकार के कार्यकाल में तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू में शुद्ध घी के बदले जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल हो रहा था। गुरुवार को नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के प्रवक्ता अनम वेंकट रमण रेड्डी ने संवाददाता सम्मेलन बुलाकर गुजरात की एक लैब की रिपोर्ट सामने रखी थी। गुजरात के आणंद में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की इस लैब ने तिरुपति बालाजी मंदिर के लड्डू में इस्तेमाल घी के सैंपल की जांच की थी और कहा था कि इसमें कई जानवरों की चर्बी के साथ ही मछली का तेल भी मिलाया गया था।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–106/2023

1. विन्ध्यवासिनी उर्फ विन्दवासिनी पुत्री रामधीरज पत्नी दिनेश प्रसाद मकान नं0–604 मोहल्ला कृष्णानगर गोरखपुर 2. बीना पुत्री रामधीरज पत्नी देवकीनन्दन ग्राम सोनफेरवा बुजुर्ग पो0 व तप्पा पचहर बाजार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर 3. हेमलता पुत्री रामधीरज पत्नी शिवशंकर ग्राम असोगवा तप्पा कोड़री परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण

बनाम

1. इस्टेट
2. निर्मला पुत्री रामधीरज पत्नी विजय कुमार शुक्ल ग्राम भादीखुर्द तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव पोस्ट पुरैना तहसील भानपुर जिला–बस्ती

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 25–10–2024

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 10 के 25 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–

धारा 144 उ0प्र0रा0संहिता 2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी सदर बस्ती जिला–बस्ती

राजेन्द्र

बनाम

रामशंकर आदि

बावत मौजा कल्याणपुर तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

1. रामशंकर 2. ओम प्रकाश 3. सर्वजीत पुत्रगण देवनाथ 4. श्रीमती सुषमा पत्नी रामशंकर साकिनान कल्याणपुर तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 5. ग्राम प्रधान बैसियाकला जरिये ग्राम प्रधान निवासी बैसियॅाकला तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 03–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 03 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 19 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

उत्तराधिकारी प्रार्थना पत्र सं0 222/2024

विरेन्द्र प्रताप सिंह–सायलान

1 विरेन्द्र प्रताप सिंह उम्र 38 वर्ष 2. रविन्द्र प्रताप सिंह उम्र 37 वर्ष पुत्रगण राम चन्दर सिंह निवासीगण शिवा कालोनी बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–10–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 18–10–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

गरीबों का शोषण करने वालों पर नहीं बरती जाएगी नरमी, भूमाफिया और बाहुबलियों को सीएम योगी की चेतावनी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर बाहुबलियों और भूमाफियाओं को सख्त चेतावनी दी। सीएम योगी ने अफसरों को निर्देश देते हुए कहा, गरीबों का शोषण करने वालों पर नरमी न बरती जाए। गोरखपुर में जनता दर्शन में आए फरियादियों से सीएम योगी ने कहा, उनकी सरकार न्याय और निष्पक्षता को लेकर प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को जनता की शिकायतों का त्वरित और संतोषजनक ढंग से निस्तारण करने का निर्देश दिया।

योगी आदित्यनाथ ने अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने वाले भूमाफिया और बाहुबलियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि गरीबों का शोषण करने वालों के साथ किसी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी। जनता दर्शन के दौरान, मुख्यमंत्री ने महंत दिग्विजयनाथ स्मारक प्रेक्षागृह के बाहर लोगों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और एक–एक करके उनकी समस्याएं सुनीं। कई महिलाओं ने जमीन के विवादों के संबंध में अपनी चिंताएं सामने रखते हुए प्रभावशाली लोगों द्वारा उनकी जमीनों पर कब्जा किए जाने का मुद्दा उठाया। मुख्यमंत्री ने परिवार संबंधी विवादों के संबंध में अधिकारियों को एक सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के लिए सभी पक्षों को शामिल कर बातचीत करने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य संबंधी विषय पर योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए वित्तीय सहायता मांगने वाले लोगों को आश्वस्त किया कि धन की कमी इलाज के आड़े नहीं आएगी। उन्होंने अधिकारियों को मरीजों के इलाज पर आने वाले अनुमानित खर्च का विवरण सरकार को सौंपने का निर्देश दिया। शुक्रवार को गोसेवा के लिए प्रसिद्ध गोरक्षपीठ में आंध्र प्रदेश से लाई गई पुंगनूर गायों का स्वागत किया गया जिसमें एक बछड़ा और एक बछिया है। मुख्यमंत्री ने इन्हें अपने हाथों से गुड़ खिलाया। पुंगनूर गाय भारत की अति दुर्लभ नस्लों में से एक है और इसे इसके छोटे आकार और सहज प्रकृति के लिए जाना जाता है। गोसेवा इस मंदिर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन शुक्रवार का दिन पुंगनूर जोड़े के आगमन के कारण कुछ खास रहा।

उपचुनाव में सभी सीटें जीतेंगे – केशव प्रसाद मौर्य

संवाददाता–अयोध्या। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आईटीआई में पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहा कि उपचुनाव में सभी सीटें जीतेंगे। समाजवादी पार्टी ने झूठ बोलकर व गुमराह करके कुछ सीटें जीत ली थी। हमने अपनी कमियों को खोज लिया है। उसको दूर करके 2027 में 2017 का यूपी दोहराएंगे। भाजपा में टिकट का कोई प्रश्न नहीं है यहां टिकट कमल का फूल है।

उन्होंने कहा कि रामलला की धरती में आयोजित कार्यक्रम में सहभागी बनना गर्व का विषय है। यह योजना दूरगामी परिणाम का परिचायक है। समाज के हर वर्ग का बच्चा जो कुछ करना चाहता है, वह शिक्षा प्राप्त कर सकता है व प्रमाण पत्र के आधार पर बैंक से ऋण प्राप्त कर सकता है। प्रधानमंत्री का लक्ष्य है कि जब तक गरीब अमीर नहीं बनेगा, तब तक भारत दुनिया में नंबर एक नहीं बन सकता है। उन्होंने कहा कि जो काम अधूरा था वह मोदी और योगी की सरकार बनने के बाद पूरा हुआ, जिससे इनके पेट में दर्द होता है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मैं भगवान रामलला और बाला जी भक्त हूँ। यदि ऐसी शिकायत मिली है तो जहां का मामला है वहां कि सरकार उचित कदम उठाएगी। हमलोग उत्तर प्रदेश में ध्यान रखेंगे। जो भी ऐसा किया है उसके खिलाफ कानून काम करेगा।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 155/2020

विजय कुमार–सायलान

1 विजय कुमार आयु 43 वर्ष 2. अजय कुमार पाण्डेय आयु 39 वर्ष पुत्रगण स्व0 कपिलदेव पाण्डेय 3. श्रीजन देवी आयु 76 वर्ष पत्नी स्व0 कपिलदेव पाण्डेय समस्त निवासीगण मोहल्ला महरीखांवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती 4. मीना देवी आयु 50 वर्ष पुत्री स्व0 कपिलदेव पाण्डेय पत्नी रामविलास पाण्डेय निवासिनी खीरीघाटा बस्ती तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–10–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 16–10–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 389/2023

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

दुर्गा प्रसाद आदि

बनाम

रामचन्दर आदि

1. रामचन्दर पुत्र बंशराज 2. पल्टू पुत्र बंशराज साकिनान मौजा रूधौली कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

ड्रग इंस्पेक्टर ने एसएसबी टीम संग दवाओं की दुकान पर की छापेमारी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नेपाल सीमा से लेकर ककरहवा कस्बे में शुक्रवार को उस समय अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया, जब एसएसबी व डीआई की संयुक्त छापेमारी की सूचना पर मेडिकल स्टोरों को मिली। शटर धड़ाधड़ गिरने शुरू हो गए। इस दौरान नकली दवाएं बरामद हुईं। जांच के लिए लखनऊ भेजी जाएंगी। ड्रग इंस्पेक्टर नवीन कुमार ने बताया कि एसएसबी की अहम सूचना के आधार पर शुक्रवार को एसएसबी की संयुक्त टीम के साथ ककरहवा कस्बे व सीमाई क्षेत्र के मेडिकल स्टोरों ने जांच की गई। बताया कि अमन मेडिकल स्टोर,सूरज मेडिकल स्टोर,सरदार मेडिकल स्टोर आदि पर जांच की गई। बताया कि अमन मेडिकल स्टोर से नकली दवा की दो सेंपल ली गई। सूरज मेडिकल स्टोर से भी दो नकली दवा का सेंपल लिया गया। कहा कि जांच के लिए लखनऊ लैब भेजा जाएगा। रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की की जाएगी। कहा कि बगैर एमबीबीएस डॉक्टर के पर्चे के नशीली दवाएं नहीं बेची जा सकती हैं। ऐसा करना जुर्म है। कहा कि जिन दुकानों पर नकली व नशीली दवाएं पाई जाएंगी उसका लाइसेंस निरस्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टास्क फोर्स की बैठक में दिए जरूरी निर्देश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। तहसील सभागार में एसडीएम प्रदीप कुमार यादव की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान माह अक्तूबर की टीटीएफ बैठक शुक्रवार को की गई। इसमें ब्लॉक मिठवल, बांसी, खेसरहा के अंतर्विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। एसडीएम ने कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग के कई बिंदुओं पर भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा भी की। अधीक्षक बांसीडॉ. धर्मेंद्र चौधरी, बीपीएम ओपी द्विवेदी, बीसीपीएम प्रदीप जाटव, आईसीडीएस एव अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**

bhartiyabasti@gmail.com